epaper.dehatsandesh.com

3 कठुआ जिला में धूमधाम से मनाया गया भैया दूज

5 नोवाक जोकोविच ने पेरिस मास्टर्स से नाम वापस लिया

8 स्वास्थयवर्द्धक तथा विटामिन 'ए' से भरपूर - पपीता

मौसम जम्मू — न्यूनतम 16 — अधिकतम 25

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-261 | जम्मू तवी, शुक्रवार 24 अक्तूबर, 2025 | मूल्य-2 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

जम्मू-कश्मीर विधानसभा का शरदकालीन सत्र श्रद्धांजलि सभा के साथ शुरू हुआ

अध्यक्ष, मुख्यमंत्री, विपक्ष के नेता, उपमुख्यमंत्री और अन्य ने पूर्व राज्यपाल मलिक और अन्य को श्रद्धांजलि दी

श्रीनगर, 23 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा के शुरू हुए शरदकालीन सत्र में पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक, पूर्व मंत्री और पिछले सत्र के बाद दिवंगत हुए अन्य विधायकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सदन को संबोधित करते हुए, अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक, पूर्व मंत्री गुलचैन सिंह चाड़क, पूर्व विधायक दीना नाथ भगत, पूर्व विधान पार्षद गुलाम नबी शाहीन, पूर्व विधान पार्षद रमेश अरोड़ा, पूर्व विधान पार्षद सरदार मोहम्मद अखलाक खान और पूर्व विधायक मोहम्मद सुल्तान पंडितपुरी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने पूर्व राज्यपाल, पूर्व मंत्री और सदन के अन्य विधायकों के जीवन पर प्रकाश

डाला और कहा कि उन्होंने जम्मू-कश्मीर सहित देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अध्यक्ष ने विधायकों से उपलब्ध सीमित समय का अधिकतम उपयोग करने का भी आग्रह किया ताकि कार्यवाही जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए सार्थक और लाभकारी साबित हो। श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, विपक्ष के नेता सुनील कुमार शर्मा, उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी, मंत्री जावेद अहमद राणा, विधायक डॉ. बशीर अहमद शाह वीरी, डॉ. देविंदर कुमार मन्याल, गुलाम अहमद मीर, रफीक अहमद नायक, डॉ. रामेश्वर सिंह, मुबारक गुल, सलमान अली सागर, एम.वाई. तारिगामी, खुर्शीद अहमद शेख, पवन गुप्ता, सज्जाद गनी लोन, ऐजाज़ जान, अब्दुल मजीद भट्ट लारमी, निज़ामुद्दीन भट्ट, विक्रम रंधावा, बलवंत सिंह मनकोटिया, चौधरी मोहम्मद अकरम, नज़ीर अहमद खान गुरेज़ी, इतिखार अहमद और नरिंदर सिंह ने भी दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की। विभिन्न दलों के विधायकों ने अपने पूर्व सहयोगियों के योगदान की सराहना की और जनसेवा के प्रति उनके समर्पण और जन कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को याद किया। अध्यक्ष और सदन के सदस्यों ने उनकी स्मृति में दो मिनट का मौन भी रखा। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा दिवंगत आत्माओं के सम्मान में लंबे भाषणों के बजाय सदन में दो मिनट का मौन रखने की संसदीय परंपरा का पालन करने के प्रस्तावित सुझाव के बारे में, अध्यक्ष ने कहा कि इस सुझाव पर विचार किया जाएगा क्योंकि यह तर्क काफी महत्वपूर्ण है।

जम्मू-कश्मीर में राज्यसभा चुनाव के लिए आज मंच तैयार

केंद्र शासित प्रदेश में पहले राज्यसभा चुनाव में नेकॉ को 3 और भाजपा को 1 सीट मिलने की संभावना

जम्मू तवी, 23 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश में तब्दील होने के बाद पहला राज्यसभा चुनाव शुक्रवार को होने वाला है। राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) को तीन और भाजपा को एक सीट मिलेगी, बशर्ते उनकी रणनीति सही दिशा में रहे। जम्मू-कश्मीर की चार राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव तीन अधिसूचनाओं में विभाजित किए गए हैं।

एनसी के चौधरी मोहम्मद रमजान का एक सीट पर भाजपा के अली मोहम्मद मीर से सीधा मुकाबला है। दूसरी सीट के लिए, नेशनल कॉन्फ्रेंस के सज्जाद किचलू का मुकाबला भाजपा के राकेश महाजन से होगा। तीसरी अधिसूचना में दो सीटों के लिए मुकाबला होगा, जिसमें नेशनल कॉन्फ्रेंस ने पार्टी के कोषाध्यक्ष जी एस ओबेरॉय, जिन्हें शम्मी ओबेरॉय के नाम से भी जाना जाता है, और इमरान नबी डार का मुकाबला भाजपा के सत शर्मा से होगा। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने गुरुवार को अपने सभी विधायकों को पार्टी उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान करने के लिए उपस्थित रहने हेतु व्हिप जारी किया। संख्या के आधार पर, 41 सदस्यीय नेशनल कॉन्फ्रेंस, जिसे छह कांग्रेस और एक सीपीएम विधायकों, और छह निर्दलीय विधायकों का समर्थन प्राप्त है, तीन सीटों पर आसानी से जीत हासिल कर सकती है। अंतिम सीट के लिए मुकाबला बेहद कड़ा है। विधानसभा में कुल 88 विधायक हैं, जिनमें से नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन के पास 54 हैं। 28 विधानसभा सदस्यों वाली भाजपा ने तीसरी अधिसूचना में रणनीतिक रूप से अपनी जम्मू-कश्मीर इकाई के प्रमुख सत शर्मा को नामित किया है। भाजपा-पीडीपी सरकार की पूर्व सहयोगी, सज्जाद गनी लोन के नेतृत्व वाली जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस (जेकेपीसी) द्वारा पिछले सप्ताह घोषणा किए जाने के बाद, शर्मा को पहले ही महत्वपूर्ण बढ़त मिल गई है कि उनकी पार्टी राज्यसभा चुनावों से दूर रहेगी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को विश्वास जताया कि उनकी पार्टी चारों सीटें जीतेगी, लेकिन उन्हें यह भी पता होगा कि इसके लिए हर गैर-भाजपा वोट नेशनल कॉन्फ्रेंस उम्मीदवारों के पक्ष में डालना होगा। कांग्रेस विधायक राज्यसभा चुनाव से दो दिन पहले बुधवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा बुलाई गई सहयोगी दलों की एक महत्वपूर्ण बैठक में शामिल नहीं हुए।अब्दुल्ला ने कांग्रेस की अनुपस्थिति को भी कमतर आंकते हुए कहा कि हर पार्टी अपनी प्रक्रिया का पालन करती है।

अब्दुल्ला ने संवाददाताओं से कहा, उनकी (कांग्रेस की) अपनी प्रक्रिया है। उनकी पार्टी और हमारी पार्टी में अंतर है। उनके नेतृत्व को अपने आलाकमान के संकेत का इंतज़ार करना पड़ता है, जबकि हम यहाँ अपने फैसले लेते हैं। यह कोई नई बात नहीं है और किसी को भी इससे कोई समस्या नहीं होनी चाहिए।

यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस के अनुपस्थित रहने से राज्यसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस उम्मीदवारों की संभावनाओं को नुकसान होगा, अब्दुल्ला ने कहा कि जहाँ तक चुनावों का सवाल है, राष्ट्रीय पार्टी ने नियमित रूप से कहा है कि वह भाजपा का समर्थन नहीं करेगी और न ही भगवा पार्टी को जीतने देगी।

कांग्रेस हमारे साथ है और वे राज्यसभा चुनावों में हमारा समर्थन कर रहे है : फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर, 23 अक्टूबर । जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को आगामी राज्यसभा चुनावों में कांग्रेस के समर्थन की बात कही।

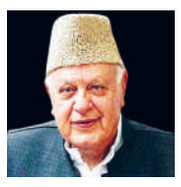

फारूक अब्दुल्ला ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि कांग्रेस हमारे साथ है और वे राज्यसभा चुनावों में हमारा समर्थन कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की हलाल प्रमाणन पर हालिया टिप्पणी पर उन्होंने कहा कि भारत विविधता में एकता में विश्वास करता है और जब तक हम विविधता बनाए रखेंगे, भारत मजबूत होता रहेगा। कोई भी हमेशा सत्ता में नहीं रहता, एक समय आएगा जब उन्हें सत्ता से हटा दिया जाएगा।

खबर संक्षेप

जम्मू-कश्मीर में कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के तबादले और नियुक्ति के आदेश

जम्मू, 23 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने गुरुवार को तत्काल प्रभाव से वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के तबादले और नियुक्ति के आदेश जारी किए। राज्य के कई विधानसभा सीटों पर उपचुनावों के चलते भारत निर्वाचन आयोग से मंजूरी मिलने के बाद ये तबादले किए गए हैं। प्रशासन के अनुसार गिरधारी लाल (जेकेपीएस 2001) एसएसपी ट्रैफिक ग्रामीण को रिक्त पद पर एसएसपी सिरोसे रम्मू के पद पर स्थानांतरित किया गया है। प्रतीक्षारत अमित भसीन (जेकेपीएस 2001) को फारूक कैसर मलिक की जगह एसएसपी ट्रैफिक सिटी, जम्मू के पद पर नियुक्त किया गया है। फारूक कैसर मलिक (जेकेपीएस 2004) एसएसपी ट्रैफिक सिटी जम्मू को गिरधारी लाल की जगह एसएसपी ट्रैफिक ग्रामीण, जम्मू के पद पर स्थानांतरित किया गया है। इसी तरह प्रतीक्षारत कौशल कुमार (जेकेपीएस 2008) को एक उपलब्ध रिक्ति को भरने के लिए डिप्टी सीओ 18 आईआर के पद पर तैनात किया गया है। प्रशासन ने कहा कि इस फेरबदल का उद्देश्य बेहतर परिचालन दक्षता सुनिश्चित करना और केंद्र शासित प्रदेश में पुलिस व्यवस्था को मजबूत करना है

पीडीपी ने स्पीकर से जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड के प्रस्ताव को विधानसभा के एजेंडे में शामिल करने का आग्रह किया

श्रीनगर, 23 अक्टूबर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के नेता वहीद पारा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की बहाली और उसकी संरक्षकता मुत्तहिद-ए-मजलिस-ए-उलेमा (एमएमयू) को हस्तांतरित करने की मांग वाला उनका प्रस्ताव विधानसभा में मतदान के दौरान खारिज कर दिया गया। पारा ने कहा कि पीडीपी स्पीकर अब्दुल रहीम राठेर से औपचारिक रूप से आग्रह करेगी कि वे अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए इस प्रस्ताव को विधायी कार्य में शामिल करें। उन्होंने वक्फ को एक संवेदनशील, आस्था से जुड़ा मुद्दा बताया जिस पर बहस होनी चाहिए और इसे स्थानीय धार्मिक नेतृत्व के पास वापस भेजा जाना चाहिए। पारा ने एक्स पर लिखा जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड को बहाल करने और इसकी संरक्षकता मुत्तहिद-ए-मजलिस-ए-उलेमा को सौंपने का हमारा प्रस्ताव विधानसभा में मतदान के दौरान खारिज कर दिया गया। हम अध्यक्ष ए.आर. राथर साहब से औपचारिक रूप से आग्रह करेंगे कि वे अपने विवेक का इस्तेमाल करके इसे विधायी कार्य में शामिल करें। वक्फ एक संवेदनशील आस्था से जुड़ा मुद्दा है जिस पर बहस होनी चाहिए और इसे मीरवाइज के नेतृत्व में स्थानीय धार्मिक नेतृत्व को सौंपना चाहिए। यह अपील उस दिन की गई। इससे पहले जम्मू-कश्मीर विधानसभा अध्यक्ष ने पारा द्वारा पेश किए गए दो निजी प्रस्तावों को स्वीकार किया था जिनमें से एक में वक्फ बोर्ड को बहाल करने और इसका प्रबंधन हुर्रियत अध्यक्ष और कश्मीर के प्रमुख धर्मगुरु मीरवाइज उमर फारूक के नेतृत्व वाले एक धार्मिक समूह एमएमयू को सौंपने की मांग की गई थी।

आसियान समिट में शामिल होने मलेशिया नहीं जाएंगे पीएम मोदी, डिजिटल माध्यम से करेंगे संबोधित

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर। आसियान शिखर सम्मेलन का आयोजन 26 से लेकर 28 अक्टूबर तक मलेशिया के कुआलालंपुर में आयोजित किया जाएगा। इस समिट में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मलेशिया नहीं जाएंगे। वे डिजिटल माध्यम से ही आसियान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यह जानकारी दी।पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, मेरे प्रिय मित्र, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ गर्मजोशी से बातचीत हुई। उन्हें मलेशिया की आसियान अध्यक्षता के लिए बधाई दी और आगामी शिखर सम्मेलनों की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में वर्चुअल रूप से शामिल होने और आसियान-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और प्रगाढ़ बनाने के लिए उत्सुक हूं। दूसरी ओर मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने भी एक्स पर लिखा, कल रात, मुझे भारत गणराज्य के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक करीबी सहयोगी का फोन आया, जिसमें मलेशिया-भारत द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक रणनीतिक और व्यापक स्तर पर मजबूत करने के प्रयासों पर चर्चा की गई।

पीडीपी राज्यसभा चुनावों में नेकॉ का समर्थन करेगी: महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर, 23 अक्टूबर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने गुरुवार को एक दिन बाद होने वाले राज्यसभा चुनावों में सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) को समर्थन देने की घोषणा की। पार्टी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमने एनसी को समर्थन देने और उनके उम्मीदवारों को वोट देने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा को दूर रखने के लिए यह फैसला लिया गया है। महबूबा ने कहा, यह पार्टी (एनसी) इसकी हकदार नहीं है, लेकिन

हमें फासीवादी ताकतों को दूर रखने के व्यापक उद्देश्य के लिए अपना समर्थन देना होगा। उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव में समर्थन के लिए एनसी के अनुरोध पर पार्टी नेतृत्व और उसके विधायकों के साथ चर्चा के बाद यह फैसला लिया गया। उन्होंने कहा कि एनसी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने उनसे फोन पर बात की और उनकी पार्टी के समर्थन का अनुरोध किया। बुधवार को एनसी के राज्यसभा उम्मीदवार शम्मी ओबेरॉय ने भी समर्थन मांगने के लिए महबूबा से उनके आवास पर मुलाकात की।

मेहराज मलिक की रिहाई की मांग को लेकर विधानसभा के बाहर प्रदर्शन किया

श्रीनगर, 23 अक्टूबर । जम्मू-कश्मीर विधानसभा के शरदकालीन सत्र से पहले कई विधायकों ने गुरुवार को डोडा के जेल में बंद विधायक मेहराज मलिक की रिहाई की मांग को लेकर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया।

जानकारी के अनुसार, नेशनल कॉन्फ्रेंस, कांग्रेस और अन्य दलों के कई विधायकों ने आज सुबह मेहराज मलिक की रिहाई की मांग करते हुए तख्तियाँ ले रखी थीं। शरदकालीन सत्र शुरू होने से पहले श्रीनगर में विधानसभा भवन के बाहर विरोध प्रदर्शन किया गया।

मुख्य सचिव ने मिशन युवा के कार्यान्वयन की समीक्षा की

समयबद्ध तरीके से ऋण वितरण करने और उद्यमियों की क्षमता बढ़ाने के निर्देश दिये

श्रीनगर, 23 अक्टूबर। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें मिशन युवा की प्रगति एवं क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। बैठक में अब तक की उपलब्धियों का विस्तृत मूल्यांकन किया गया और संबंधित विभागों व हितधारकों के साथ आगामी कार्ययोजना पर चर्चा हुई। बैठक में उच्च शिक्षा, योजना, और .षि उत्पादन विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, वित्त विभाग के प्रधान सचिव, उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त सचिव, रोजगार एवं ग्रामीण विकास विभागों के सचिव, निदेशक रोजगार, निदेशक हस्तशिल्प कश्मीर सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। विश्वविद्यालयों के उपकुलपति, जम्मू-कश्मीर बैंक के प्रबंध निदेशक और जिला उपायुक्तों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। मिशन युवा के अंतर्गत प्रगति की समीक्षा करते हुए, मुख्य सचिव ने रोजगार विभाग और जम्मू-कश्मीर बैंक को चालू वित्तीय वर्ष के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सक्रिय कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 1,000 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किए जाने चाहिए ताकि 2,000 करोड़ रुपये मूल्य की परियोजनाओं की नींव रखी जा सके, जिससे इच्छुक उद्यमियों को व्यवहारिक व्यावसायिक इकाइयाँ स्थापित करने में सहायता मिले। उन्होंने लाभार्थियों की क्षमता बढ़ाने और उनके व्यवसायों को सफल उद्यमों में बदलने की आवश्यकता पर बल दिया तथा यह भी कहा कि लक्ष्मी दीदी, पीएमईजीपी, एचएडीपी, जेकेसीआईपी और पीएमएफएमई जैसी सभी रोजगार सृजन पहलों का मिशन युवा के साथ एकीकरण किया जाए ताकि सामूहिक प्रभाव को अधिकतम किया जा सके।

सरकार हर मोर्चे पर विफल; जन मुद्दों पर चर्चा के लिए सत्र बहुत छोटा : विपक्ष के नेता शर्मा

श्रीनगर, 23 अक्टूबर । जम्मू-कश्मीर विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष और भाजपा विधायक सुनील शर्मा ने गुरुवार को विधानसभा के शरदकालीन सत्र की सीमित अवधि पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार जन मुद्दों पर चर्चा के लिए पर्याप्त समय नहीं दे पाई है।

शर्मा ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार ने इसके लिए बहुत कम समय, केवल 5-6 दिन, आवंटित किया है। उन्होंने कहा कि बिजली, पानी और सड़क जैसे कई प्रमुख जन मुद्दों पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, लोग बुनियादी सुविधाओं का इंतज़ार कर रहे हैं। सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है। शर्मा ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पर भी निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष को उनसे बहुत उम्मीदें थीं। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उन्होंने न तो सत्र के लिए पर्याप्त समय दिया और न ही लोगों के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि विपक्ष सीमित सत्र के दौरान जन मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने के लिए तैयार है। राज्यसभा चुनावों के बारे में उन्होंने कहा कि भाजपा को पूरा विश्वास है कि वह जीतेगी

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को बंदरगाह तक सीमित रखने में नौसेना की भूमिका को रक्षा मंत्री ने सराहा

दुनिया ने इस ऑपरेशन के दौरान नौसेना की परिचालन तत्परता, पेशेवर क्षमता और ताकत देखी

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर। भारतीय नौसेना की द्विवार्षिक कमांडर्स कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के जरिये भारत ने संदेश दिया कि हम हर चुनौती का जवाब देने के लिए हमेशा तैयार हैं। उन्होंने इस ऑपरेशन को भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति और क्षमता का प्रतीक बताते हुए पाकिस्तान को बंदरगाह या उसके तट तक ही सीमित रखने के लिए भारतीय नौसेना की भूमिका को सराहा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दुनिया ने इस ऑपरेशन के दौरान नौसेना की परिचालन तत्परता, पेशेवर क्षमता और ताकत देखी।

वर्तमान युद्ध को तकनीक और खुफिया जानकारी पर आधारित बताते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि समुद्री तैयारी अब केवल जहाजों या पनडुब्बियों तक सीमित नहीं, बल्कि यह तकनीक-संचालित, नेटवर्क-केंद्रित और स्वायत्त प्रणालियों पर आधारित है। हमें इन क्षेत्रों में अपनी क्षमताओं को बढ़ाते हुए अपने विरोधियों की आधुनिक तकनीकों से खुद को सुरक्षित रखने की आवश्यकता है। हमारे पास क्षमता और योग्यताएं हैं। हम अपने उपकरण अपनी धरती पर ही बना रहे हैं। रक्षा मंत्री ने इस बात की सराहना की कि आत्मनिर्भर भारत के तहत भारतीय नौसेना न केवल रक्षा उत्पादन में लगी हुई है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि आज हमारी नौसेना देश की आत्मनिर्भरता, नवाचार और औद्योगिक विकास में अग्रणी बन गई है।भारतीय नौसेना के द्विवार्षिक कमांडरों के सम्मेलन का दूसरा संस्करण नौसेना प्रमुख के उद्घाटन भाषण के साथ? बुधवार को शुरू हुआ।

त्योहारों पर भीड़ नियंत्रण के लिए 76 रेलवे स्टेशनों पर बनेंगे होल्डिंग एरिया: रेल मंत्री

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर । दिवाली और छठ पूजा मनाने के लिए रेल के जरिये लाखों लोगों की आवाजाही के बीच भारतीय रेलवे ने भीड़ के सुचारू प्रबंधन के लिए कई कदम उठाए हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एकदिन पहले स्वयं नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का दौरा किया और गुरुवार को उन्होंने भीड़ नियंत्रण को लेकर 24 घंटे निगरानी के लिए बनाए गए एआई प्रबंधित कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। रेलवे भवन में आज मीडिया से बातचीत करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यातायात पैटर्न के विस्तृत अध्ययन और यात्रियों की बढ़ती संख्या का विश्लेषण कर इसके सुचारू प्रबंधन के लिए तंत्र विकसित किया गया है।अतिरिक्त भीड़ को संभालने के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर होल्डिंग एरिया बनाया गया। अब 76 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों पर ऐसा ही प्रबंध किए जाने की योजना है। इसके लिए राइट्स की तरफ से डिजाइन तैयार किया जाएगा। जो अगले साल त्योहारों के सीजन में तैयार हो जाएगा। उन्होंने बताया कि 100 से ज्यादा स्टेशनों पर टिकट काउंटर बढ़ाए गए। सुरक्षा में सुधार के लिए हज़ारों सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जबकि भीड़भाड़ वाले समय में प्लेटफार्मों को साफ़ रखने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। वैष्णव ने बताया कि मंडल, ज़ोन और बोर्ड स्तर पर नियंत्रण कक्ष दिवाली के दिन भी 24×7 काम कर रहे थे।

प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के वादे के अनुसार जम्मू-कश्मीर को जल्द ही राज्य का दर्जा मिलेगा: चुघ

श्रीनगर, 23 अक्टूबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने गुरुवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा जल्द ही बहाल किया जाएगा। उन्होंने दोहराया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह संसद में और क्षेत्र के अपने दौरे के दौरान इसकी घोषणा कर चुके हैं।

मीरगुंड के आलमदार कॉलोनी में भाजपा बडगाम विधानसभा क्षेत्र के सम्मेलन को संबोधित करने के बाद मीडिया से बात करते हुए, चुघ ने कहा कि राज्य के दर्जे पर फैसला प्रधानमंत्री संसद में पहले ही कर चुके हैं। उन्होंने कहा, ‘गृह मंत्री ने भी इसकी पुष्टि की है। प्रक्रिया चल रही है और यह जल्द ही होगा।

चुघ ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पर बडगाम के लोगों के साथ विश्वासघात करने और एक साल से अधिक समय तक सत्ता में रहने के बावजूद अपने घोषणापत्र में किए गए वादों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, उमर अब्दुल्ला ने बडगाम को धोखा दिया। उनके घोषणापत्र का एक भी वादा पूरा नहीं हुआ। जनता बडगाम उपचुनाव में आगा सैयद मोहसिन को वोट देकर इस विश्वासघात का जवाब देने के लिए तैयार है। भाजपा नेता ने अब्दुल्ला के इस दावे को खारिज कर दिया कि उपराज्यपाल प्रशासन शासन में बाधा डाल रहा है। उन्होंने कहा, ‘पुलिस को छोड़कर, सभी मंत्रालय आपके नियंत्रण में हैं। आपके मंत्री लालबत्ती वाली कारों और सरकारी बंगलों का आनंद ले रहे हैं जो जनसेवा के लिए हैं, विलासिता के लिए नहीं। उन्होंने आगे कहा, नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेताओं ने भी सरकार द्वारा अपने वादे पूरे न करने की बात स्वीकार की है।चुघ ने नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार पर पर्यटन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया।

त्वचा कहे नो चिपचिप

मुनडेतिया

तैलीय और चिपचिपी त्वचा चेहरे के आकर्षण को कम कर देती है, लेकिन ऐसी त्वचा की अगर सही देखभाल की जाए तो वह निखर उठेगी। इसके लिए आप यहां दिए कुदरती उपायों को अपनाएं।

त्वचा का तैलीय होना सिबेशियस ग्लैंड्स के अत्यधिक सक्रिय होने का नतीजा होता है। त्वचा की कोमलता बरकरार रखने के लिए प्राकृतिक तेल जरूरी है, पर जब तैलीय ग्रंथियां अधिक तेल का सिक्रीशन करती हैं तो एक्ने और मुंहासों की समस्या शुरू हो जाती है। ऐसे में धूल-मिट्टी और प्रदूषण के कारण त्वचा के छिद्र भी बंद हो जाते हैं। अगर आप भी तैलीय त्वचा से परेशान हैं तो यहां दिए गए कुदरती उपायों को अपनाएं और पाएं साफ-सुथरी व निखरी त्वचा।

1. सेब को छीलकर पेस्ट बना लें। इसे चेहरे व गर्दन पर लगाएं। 20 मिनट बाद हलके गुनगुने पानी से चेहरा साफ कर लें। सेब एएचए का बेहतरीन स्रोत होता है, जो त्वचा को टोन करता है। उसे मुलायम और कांतिमय बनाता है।

2. एक टी स्पून चंदन पाउडर में गुलाबजल मिलाकर पेस्ट बनाएं। फिर उसे चेहरे पर लगाएं। सूखने पर पानी से धो लें। इससे त्वचा के दाग-धब्बे और एक्ने भी दूर होंगे।

3. 1 टी स्पून बेसन में चुटकी भर हल्दी पाउडर, आधा नीबू का रस मिलाकर पेस्ट बनाएं। अगर आपको नीबू सूट नहीं करता है तो उसकी जगह पर दही मिला सकती हैं। आंखों के आसपास का हिस्सा छोड़कर लगाएं। सूखने पर हलके हाथों से मलते हुए छुड़ाएं। यह त्वचा का कालापन दूर करता है। हल्दी त्वचा की चमक बरकरार रखती है।

4. तैलीय त्वचा को भी मॉयस्चराइजर की जरूरत होती है और इसके लिए आप शहद का इस्तेमाल कर सकती हैं। शहद एक बेहतरीन कुदरती मॉयस्चराइजर होता है। इसे चेहरे पर 15 मिनट लगाएं। फिर धो लें। यह त्वचा की जलन, मुंहासे और कालेपन को दूर करता है। साथ ही उसे कांतिमय और लचीली बनाता है।

5.1 टेबल स्पून चावल के आटे में 1 टेबल स्पून कॉर्नफ्लोर और नीबू के रस की कुछ बूंदें मिलाकर चेहरे पर लगाएं। फिर भीतर से बाहर की तरफगोलोई में हाथ घुमाते हुए कुछ देर मसाज करें। चावल का आटा डेड सेल्स हटाता है। त्वचा के छिद्र भी खोलता है, ताकि साफऑक्सीजन त्वचा के भीतर जा सके।

6. 1 टेबल स्पून मुलतानी मिट्टी में अंडे की सफेदी, 1 टेबल स्पून ओट्स पाउडर, 1 टेबल स्पून कॉर्नफ्लोर और गुलाबजल मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार करें। इसे चेहरे व गर्दन पर लगाएं। 20 मिनट बाद चेहरा साफ कर लें।

देखिए इनका सबसे फेवरेट काम है सजना-संवरना!

महिलाओं का सजना संवरना पुरुषों के लिए हमेशा से अजूबा रहा है और महिलाएं इसे लेकर हमेशा सहज रही हैं। लड़कियों का सबसे फेवरेट काम होता है सजना-संवरना, है न ! आप भी मेरे इस बात से जरूर सहमत होगें। सजना-संवरना महिलाओं का गहना होता है और इसके लिए काफी समय की भी जरूरत होती है। लेकिन कई बार ऐसा होता है कि अगर अचानक से आपको किसी पार्टी में जाना पड़े और ठीक से तैयार होने के लिए आपके पास समय न हो तो ऐसे में आप बहुत ही परेशान हो जाती होगी और फिर सोच में पड़ जाती होगी अब क्या करें, कैसे इतनी जल्दी इतने अच्छे से तैयार हूं कि लोग बस मेरे को ही देखें, ये तो थी महिलाओं कि सोच पर अब हम आपको बताते है कि पुरूषों की क्या सोच है, वो सोचते है की जितनी देर में मेरी पत्नी तैयार होती है, उतनी देर में तो मैं दस बार तैयार हो जाउं, हम समझ सकते है कि आप पे क्या बीतती होगी, जब आपकी श्रीमती इतने देर में तैयार होती होगी। इसलिए आज हम आपको बताने जा रहे है, ऐसे टिप जिसे जानकर आप दो मिनट में तैयार हो जाएंगी और इससे महिलाओं और पुरूषों दोनों के समस्याओं का समाधान हो जाएगा -

कैसे हटाएं मेकअप

अगर मेकअप न हटाया जाए तो वह त्वचा के छिद्र को बंद कर देता है और मेकअप में मौजूद केमिकल त्वचा को क्षति पहुंचाते हैं। इसलिए सोने से पहले अपना मेकअप उतारना न भूलें। आपकी मेकअप किट में अच्छी क्वॉलिटी का मेकअप रिमूवर होना बहुत जरूरी है। आंखें काफी सेंसिटिव होती हैं और उन्हें अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है। फेशियल मेकअप जैसे फाउंडेशन और लिपस्टिक, वॉटर बेस्ट मेकअप क्लींजर से आसानी से साफ हो जाते हैं, लेकिन आई मेकअप जैसे-लाइनर, काजल और मस्कारा को हटाने के लिए अलग रिमूवर की जरूरत होती है। इसके लिए मेकअप रिमूवर सलूशन में अधिक ऑयल की जरूरत होती है।

आई मेकअप रिमूवर

यह फेशियल मेकअप रिमूवर से अधिक मृदु होता है। इसके लिए बेबी ऑयल और बेबी लोशन भी इस्तेमाल कर सकती हैं। अगर आप मेकअप का प्रयोग नहीं करती हैं तब भी त्वचा को नियमित रूप से माइल्ड क्लींजर से साफ करना जरूरी है। ताकि धूल-मिट्टी व गंदगी साफहो जाए। ऐसा करने से त्वचा में किसी प्रकार की जलन, एक्ने और पिंपल्स नहीं होने पाते।

1. आंखों का मेकअप हटाने के लिए हाथ साफ होने चाहिए। लाइनर और मस्कारा हटाते समय हलके हाथों से साफ करें।

2. आई मेकअप हटाने के लिए होममेड क्लींजर इस प्रकार बनाएं- कैस्टर ऑयल+ऑलिव ऑयल+कैनोला ऑयल की बराबर मात्रा लेकर एक साथ मिलाएं फिर टिश्यू पेपर या कॉटन बॉल में थोड़ा सा मिश्रण लेकर

आंखों को साफ करें।

मेकअप रिमूवर

1. मेकअप हटाने के लिए जो भी प्रोडक्ट इस्तेमाल करें उसे कॉटन बॉल की सहायता से ही करें। चेहरे और गर्दन को थपथपाते हुए साफ करें। अगर एक बार ऐसा करने से मेकअप साफ न हो तो दोबारा कॉटन बॉल गीला करके चेहरा साफ करें।

2. आप चाहें तो घर पर एक अच्छा इंस्टैंट मेकअप रिमूवर बना सकती हैं, जिसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होगा। 2 चम्मच गुलाबजल में कुछ बूंदें बेबी ऑयल और 3-4 बूंद नीबू का रस मिलाएं। इस मिश्रण को कॉटन बॉल में लगाकर चेहरा साफ करें। यह छिद्र को साफ करता है, मेकअप को अच्छी तरह हटाता और त्वचा की धूल-गंदगी भी बारीकी से साफ कर देता है।

3. ताजे दूध में थोड़ा सा नीबू का रस मिलाकर क्लींजर के रूप में प्रयोग किया जा सकता है। यह चेहरा साफ जरूर करता है, लेकिन ऑयली स्किन के लिए अच्छा उपाय नहीं है। ऑयली स्किन के लिए इसमें थोड़ा दही का पानी भी मिलाया जा सकता है।

4. बाजार में बहुत तरह के क्लींजर, मेकअप रिमूवर उपलब्ध हैं। लेकिन इस बात का ध्यान रखें, उसमें एल्कोहॉल न हों। एल्कोहॉल त्वचा के लिए नुकसानदेह होता है। यह फ्रेश लुक देते हैं, लेकिन कुछ समय बाद त्वचा को रुखा बना देते हैं।

5. मेकअप हटाने के बाद त्वचा को टोन अप करने के लिए टोनर लगाएं। उसके बाद मॉयस्चराइजर लगाएं, ताकि त्वचा की कुदरती नमी बरकरार रहे। नियमित क्लीनिंग, टोनिंग और मॉयस्चराइजिंग से त्वचा किसी भी प्रकार की समस्या से दूर रहती है और लंबे समय तक स्वस्थ रहती है। इसे अपना रुटीन बना लें ताकि त्वचा ताउम्र जवां और स्वस्थ बनी रहे।

देर तक टिकेगी खुशबू

गर्मियों में लाइट, फ्लोरल और फ्रूटी परफ्यूम ही अच्छे लगते हैं। तेज और स्पाइसी सुगंध आजकल के मौसम में अच्छी नहीं लगती। गर्मियों में परफ्यूम, डिओ, सेंट या कोलोन चुनते समय कुछ बातों का रखें ध्यान। 1. यदि आपको सुपर लाइट, फ्रेश फ्रेगरेंस पसंद है तो गर्मियों में लेमन, लाइम, मेंडरीन, ग्रेपफ्रूट जैसी सुगंध का चयन करें। फ्लोरल सुगंध भी इस मौसम में अच्छी लगेगी। 2. अगर आपको तेज खुश्बू भाती है तो मार्केट में ऐसे विकल्प मौजूद हैं जो आपकी पसंद के अनुकूल हों और गर्मी में अच्छे भी लगें। ऐसे में आप कोकोनट, पाइनएपल की सुगंध वाले उत्पाद चुनें। इनकी खुश्बू लंबे समय तक बनी रहती है। साथ ही ये दिन और रात दोनों के लिए उपयुक्त होते हैं। 3. गर्मियों में रात के लिए चंदन की खुश्बू भी चुन सकते हैं। इसका प्रभाव सेंसुअस होता है। 4. गर्मी में ऐसी सुगंध वाले परफ्यूम से दूर रहें, जिनसे सिर भारी हो जाता हो या दर्द होता हो। कुछ खुश्बू हीट के संपर्क में आते ही बेचैनी पैदा करती हैं। 5. गर्मी में हीट के संपर्क में आने के कारण परफ्यूम का अल्कोहल जल्दी उड़ जाता है। इसलिए सुगंध देर तक नहीं टिक पाती। अत- अल्कोहल के बजाय वाटर बेस्ड फार्मूला चुनें। इसे आप दिन में दो-तीन बार लगा सकती हैं। 6. अपने परफ्यूम को देर तक टिकाऊ बनाए रखने के लिए लेयरिंग प्रोडक्ट्स का भी इस्तेमाल कर सकती हैं, जैसे सोप, बॉडी लोशन, मॉइश्चराइजर आदि, लेकिन ध्यान रहे कि इनकी गंध इतनी तेज न हो कि उसमें परफ्यूम की गंध खो जाए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

नटरंग ने उत्कृष्ट कलाकारों को किया सम्मानित, थिएटर में रचनात्मकता, समर्पण और कला उत्कृष्टता का हुआ जश्न

जम्मू, 23 अक्टूबर (हि.स.)। नटरंग स्टूडियो थिएटर में आयोजित एक सम्मान समारोह में नटरंग जम्मू ने अपने श्रेष्ठ कलाकारों को अभिनय, निर्माण और मंच प्रदर्शन के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम में नटरंग के निदेशक पद्मश्री बलवंत ठाकुर ने कलाकारों को स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। अपने संबोधन में बलवंत ठाकुर ने कहा कि प्रत्येक कलाकार ने अपनी प्रतिबद्धता, अनुशासन और रचनात्मक प्रतिभा से नटरंग की समृद्ध कलात्मक विरासत को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया है। उन्होंने नटरंग की 43 वर्षीय यात्रा का उल्लेख करते हुए बताया कि संस्था ने अब तक 7,500 से अधिक नाट्य प्रस्तुतियाँ और सांस्कृतिक आयोजन किए हैं, जिनसे अनेक कलाकार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हुए हैं।

सम्मानित कलाकारों में सुरज सिंह, नीरज कांत शर्मा, अनिल टिक्कू, सुमीत शर्मा, सुबाष जम्वाल, मोहम्मद यासीन, पवन वर्मा, मीनाक्षी भगत, परविंदर सिंह, कननप्रीत कौर सहित कई युवा प्रतिभाएँ शामिल थीं। ठाकुर ने कहा कि यह सम्मान केवल सराहना का प्रतीक नहीं, बल्कि नटरंग की उस परंपरा का हिस्सा है जो प्रतिभा को पहचानती और प्रोत्साहित करती है। उन्होंने भविष्य में युवाओं को थिएटर से जोड़ने और अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने की दिशा में भी योजनाएँ साझा कीं। कार्यक्रम के अंत में सभी कलाकारों ने संस्था के प्रति आभार व्यक्त करते हुए समाजोन्मुखी और सृजनशील थिएटर को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

दिल्ली में 29 को कृत्रिम बारिश कराएंगी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (हि.स.)। दिल्ली सरकार ने 29 अक्टूबर को क्लाउड सीडिंग के माध्यम से कृत्रिम वर्षा राजधानी में तैयारियां पूरी कर ली है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि दिल्ली में पहली बार क्लाउड सीडिंग के माध्यम से कृत्रिम वर्षा कराने की तैयारियां पूरी कर ली गई और विशेषज्ञों द्वारा बुराड़ी क्षेत्र में इसका सफल परीक्षण किया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि मौसम विभाग ने 28, 29 और 30 अक्टूबर को बादलों की उपस्थिति की संभावना जताई है। यदि परिस्थितियां अनुकूल रहीं, तो 29 अक्टूबर को दिल्ली पहली कृत्रिम बारिश का अनुभव करेगी। उन्होंने कहा कि यह पहल न सिर्फ तकनीकी दृष्टि से ऐतिहासिक है, बल्कि दिल्ली में प्रदूषण से निपटने का एक वैज्ञानिक तरीका भी स्थापित करने जा रही है। सरकार का उद्देश्य है कि इस नवाचार के माध्यम से राजधानी की हवा को स्वच्छ और वातावरण को संतुलित बनाया जा सके। मुख्यमंत्री ने इस प्रयास को सफल बनाने में लगे दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और सभी अधिकारियों को शुभकामनाएं दी। मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा आज एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और आशीर्वाद तथा मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली ने आज प्रदूषण नियंत्रण में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की । उन्होंने बताया कि आज अपनी पहली क्लाउड सीडिंग परीक्षण उड़ान सफलतापूर्वक संपन्न की। यह उड़ान 28-30 अक्टूबर के बीच होने वाले कृत्रिम वर्षा अभियान का अहम हिस्सा थी। यह उड़ान दिल्ली सरकार के पर्यावरण विभाग और आईआईटी कानपुर के संयुक्त प्रयास से संचालित की गई, जिसमें विमान, सीडिंग फ्लेयर्स और सभी संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय की तैयारियों का परीक्षण किया गया।

कठुआ जिला में धूमधाम से मनाया गया भैया दूज, बहनों ने भाइयों का तिलक कर लंबी आयु की कामना की

कठुआ, 23 अक्टूबर (हि.स.)। कठुआ जिला में गुरुवार को भैया दूजका पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान बहनों ने भाइयों को टीका लगाकर उनकी लंबी उम्र की कामना की। इससे पहले बहनों ने अपने अपने घरों में भैया दूज पर होने वाली औपचारिक पूजा अर्चना भी की। भाई-बहन के अटूट प्रेम का नजारा आज कठुआ जिला में देखने को मिला। इस पर्व पर शहर में हर्षोल्लास का माहौल रहा। भैया दूज का त्यौहार जिले भर में धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने अपने भाई का तिलक कर उसकी लंबी आयु की कामना की। बहनों ने भाई की आरती कर उसका मुंह मीठा करवाया। भाई ने भी इसके बदले में अपनी बहन को उपहार के रूप में पैसे और गिफ्ट भेंट किए। जिला कठुआ के कठुआ शहर, हीरानगर, बनी, बसोहली और बिलावर क्षेत्र में भाई बहन का प्रेम का प्रतीक भैया दूज का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने अपने भाई का तिलक कर उसकी लंबी आयु की कामना की, जो बहनें अपने भाइयों के पास नहीं पहुंची उनके भाई अपने

बहनों के ससुराल में जाकर बहनों से तिलक लगवाया। इस त्यौहार को मनाने के लिए सुबह से ही बाजारों में बहनों की चहल-पहल रही। पंडित अशोक ने बताया कि सूर्य देव और उनकी पत्नी छाया की दो संतान थी, यमराज और यमुना। उन दोनों में बहुत प्रेम था बहन यमुना हमेशा चाहती थी कि यमराज उसके घर भोजन करके जाए, लेकिन भाई यमराज अक्सर उनकी विनती को टाल देते थे। एक बार कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि पर दोपहर में यमराज यमुना के घर पहुंचे, यमुना अपने घर के दरवाजे पर भाई को देखकर बहुत खुश हुई। इसके बाद यमुना ने यमराज को प्रेम पूर्वक भोजन करवाया, बहन का प्रेम देखकर यमदेव ने उसे वरदान मांगने को कहा, उस पर बहन यमुना ने यमराज से बचन मांगा कि हर वर्ष कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीय तिथि पर भाई बहन के घर भोजन करने आए साथ ही मेरी तरह जो बहने एक दिन अपने भाई का आदर सत्कार के साथ तिलक करें उसमें यमराज का भय ना हो। उस दिन यमराज ने अपनी बहन यमुना को वरदान दिया। तब से भैया दूज की परंपरा चली आ रही है।

पुलिस ने लापता लड़की को खोजकर उसके परिवार को सौंपा

कठुआ, 23 अक्टूबर (हि.स.)। एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा के समग्र पर्यवेक्षण में कठुआ पुलिस ने बिलावर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में एक लापता महिला का पता लगाया और उसे उसके परिवार के सदस्यों से मिलाया।

जनकारी के अनुसार बीते 19 अक्टूबर को अंजुम शकूर पुत्र मोहम्मद शकूर निवासी ढेर तहसील बिलावर जिला कठुआ नामक व्यक्ति ने बिलावर पुलिस थाना में अपनी पत्नी जीनत बानो, उम्र-35 वर्ष के लापता होने की लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत प्राप्त होने पर पुलिस स्टेशन बिलावर में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की गई और थाना प्रभारी बिलावर इंस्पेक्टर जहीर मुश्ताक के नेतृत्व में थाना बिलावर की एक टीम ने विभिन्न स्थानों की तलाशी ली और सीसीटीवी कैमरों की जाँच की। तकनीकी सहायता और समय पर मानवीय हस्तक्षेप की मदद से लापता महिला को बरामद किया गया। सभी कानूनी औपचारिकताएँ पूरी करने के बाद उक्त लापता महिला को उसके कानूनी उत्तराधिकारियों को सौंप दिया गया।

राज्यसभा चुनावों के लिए हम पूरी तरह तैयार है : भाजपा विधायक पठानिया

श्रीनगर, 23 अक्टूबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक रणबीर सिंह पठानिया ने गुरुवार को कहा कि पार्टी कल होने वाले राज्यसभा चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार है और सकारात्मक परिणाम को लेकर आश्वस्त है।

विधायकों की एक बैठक के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए पठानिया ने कहा कि आज हमने विधायकों की एक बैठक की जिसमें विशेष रूप से कल होने वाले राज्यसभा चुनावों पर ध्यान केंद्रित किया गया। हमें एक सीट जीतने की उम्मीद है और बाकी दो सीटों के लिए हम मजबूती से लड़ेंगे।

उन्होंने आगे ज़ोर दिया कि सभी भाजपा विधायक मतदान प्रक्रिया के दौरान पार्टी लाइन का सख्ती से पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि हम खरीद-फरोख्त या अचेतन समर्थन में नहीं जाएँगे बल्कि हम सचेत रूप से और स्वेच्छा से अपने सिद्धांतों के अनुरूप मतदान की अपनी विचारधारा के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए पठानिया ने कहा कि हम अपनी विचारधारा और राष्ट्रवाद की भावना के अनुसार सभी मुद्दों पर अपने रुख का बचाव करेंगे।

तेज़ रफ़्तार कार की चपेट में आने से एक पैदल यात्री की मौत

अवंतीपोरा, 23 अक्टूबर (हि.स.)। अवंतीपोरा के चारसू इलाके में गुरुवार सुबह एक तेज़ रफ़्तार कार की चपेट में आने से एक पैदल यात्री की मौत हो गई। यह हादसा श्रीनगर-जम्मू राजमार्ग पर पेट्रोल पंप के पास हुआ जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई।

पुलिस ने बताया कि जेके02डीएन-2960 पंजीकरण संख्या वाली एक स्विफ्ट कार ने एक पैदल यात्री को टक्कर मार दी जिसकी पहचान गुलाम मोहम्मद भट के रूप में हुई है जिसे स्थानीय रूप से गुल मट्टू के नाम से भी जाना जाता है। वह चारसू अवंतीपोरा निवासी वली मोहम्मद का बेटा था। टक्कर लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत इलाज के लिए अवंतीपोरा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुँची और दुर्घटना में शामिल वाहन को जब्त कर लिया।

मुख्य सचिव ने शीघ्र जांच और उपचार के निर्देश दिए, जम्मू-कश्मीर को टीबी मुक्त बनाने का आह्वान किया

श्रीनगर, 23 अक्टूबर। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें टीबी मुक्त भारत अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा जम्मू-कश्मीर को क्षयरोग मुक्त बनाने के लिए उठाए गए कदमों का मूल्यांकन किया गया।

बैठक में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा सचिव डॉ. सैयद अबिद राशिद शाह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मिशन निदेशक बसीर-उल-हक़ चौधरी, जेकेएमएससीएल के प्रबंध निदेशक, सरकारी मेडिकल कॉलेजों के प्रिंसिपल, स्वास्थ्य सेवा निदेशक (जम्मू-कश्मीर), जीएमसी श्रीनगर के छाती रोग विभाग के प्रमुख और विभिन्न चिकित्सा संस्थानों के वरिष्ठ संकाय सदस्य शामिल थे।

जिला उपायुक्तों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सहभागिता की।

वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने टीबी रोगियों की शीघ्र पहचान और समग्र प्रबंधन की आवश्यकता पर बल दिया ताकि उनका पूर्ण उपचार सुनिश्चित हो सके। उन्होंने स्वास्थ्य पेशेवरों को टीबी रोगियों की निरंतर निगरानी करने, व्यक्तिगत रूप से कुछ मामलों को अपनाने, व्यक्तिगत चिकित्सा सहायता प्रदान करने और रोगियों की प्रगति पर नज़र रखने के लिए नियमित संपर्क बनाए रखने के निर्देश दिए।

अटल डुल्लू ने सक्रिय संपर्क अनुवर्तन के महत्व पर जोर देते हुए आशा कार्यकर्ताओं के नेटवर्क को मजबूत करने का आह्वान किया ताकि घर-घर जाकर देखभाल और परामर्श सुनिश्चित किया जा सके, जिससे उपचार के अनुपालन और स्वस्थ होने के परिणामों में सुधार हो।

मुख्य सचिव ने जिला उपायुक्तों के साथ विस्तार से चर्चा करते हुए जिलों में नैदानिक उपकरणों, स्क्रीनिंग तंत्रों और उपचार सुविधाओं की उपलब्धता, उपयोग और कार्यक्षमता की समीक्षा की। उन्होंने जिला प्रशासन से संसाधनों के इष्टतम उपयोग, दवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने और जिला स्वास्थ्य टीमों तथा फील्ड कर्मियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए ताकि सेवाएँ समय पर उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने टीबी से संबंधित मौतों का वार्षिक विश्लेषण करने और मृत्यु के मूल कारणों का पता लगाकर रोकथाम योग्य मौतों को टालने के लिए सुधारात्मक उपाय अपनाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को मरीजों के रिकॉर्ड को 'सेहत ऐप' और 'आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन पोर्टल से एकी.त करने को कहा ताकि रिकॉर्ड प्रबंधन और निगरानी सहज हो सके।मुख्य सचिव ने पूर्व बैठकों में जारी निर्देशों पर की गई कार्रवाई की भी समीक्षा की और उनके सख्त एवं समयबद्ध अनुपालन पर जोर दिया ताकि अभियान के बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकें।

श्रीनगर के उपायुक्त ने कमरवारी में नूरजहाँ पुल की प्रगति का निरीक्षण किया

श्रीनगर, 23 अक्टूबर। श्रीनगर के उपायुक्त अक्षय लाबरू ने आज कमरवारी में झेलम नदी पर नूरजहाँ पुल की 14.77 करोड़ रुपये की लागत से लगभग पूरी होने वाली महत्वपूर्ण परियोजना का स्थलीय दौरा किया और चल रहे कार्यों की प्रगति का आकलन किया। अतिरिक्त उपायुक्त मीर इम्तियाज उल अजीज, संयुक्त आयुक्त एसएमसी नुजहत खुर्शीद, मुख्य योजना अधिकारी फैयाज अहमद डार, अधीक्षण अभियंता आर एंड बी, शब्बीर अहमद, एसडीएम पश्चिम, इरफान बहादुर, आर एंड बी के कार्यकारी अभियंता, एसडीए, ईदगाह और शाल्टेंग के तहसीलदार और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। अपने दौरे के दौरान, उपायुक्त ने नूरबाग को कमरवारी से जोड़ने वाले झेलम नदी पर बन रहे पुल के निर्माण कार्य की गति और गुणवत्ता की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित कार्यकारी एजेंसियों को शेष कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए ताकि इस महत्वपूर्ण परियोजना का शीघ्र निर्माण सुनिश्चित हो सके, जिससे यातायात की भीड़भाड़ में उल्लेखनीय कमी आने और क्षेत्र में कनेक्टिविटी में सुधार होने की उम्मीद है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी बाधाओं को दूर करने, उचित सड़क संरेखण सुनिश्चित करने और युद्धस्तर पर फिनिशिंग कार्य पूरा करने के भी निर्देश दिए। उपायुक्त ने इस बात पर ज़ोर दिया कि नूरजहाँ पुल के पूरा होने से मौजूदा कमरवारी-सीमेंट पुल पर यातायात की भीड़भाड़ काफी कम हो जाएगी और झेलम नदी के उस पार नूरबाग और कमरवारी क्षेत्रों के बीच वैकल्पिक संपर्क स्थापित हो जाएगा।

जिला उज्ज्वला समिति ने PMUY 3.0 के कार्यान्वयन की समीक्षा की

सांबा, 23 अक्टूबर। उपायुक्त आयुषी सूदन ने आज सांबा जिले में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 3.0 के कार्यान्वयन की समीक्षा और उसे सुव्यवस्थित करने के लिए जिला उज्ज्वला समिति (की बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में तेल विपणन कंपनियों (IOCL, HPCL, BPCL) के प्रतिनिधियों और खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले (FCS&CA), जिला उद्योग केंद्र, राजस्व, ग्रामीण विकास, शहरी स्थानीय निकाय, परिवहन, मत्स्य पालन, कृषि और रोजगार विभागों सहित हितधारक विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। प्रारंभ में, सहायक निदेशक, FCS&CA राहुल गुप्ता ने PMUY आवेदन सत्यापन और सीडिंग प्रक्रिया का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उपायुक्त ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत एलपीजी कनेक्शन शीघ्र जारी करने के लिए पारदर्शिता, जवाबदेही और अंतर-विभागीय समन्वय बनाए रखने पर ज़ोर दिया। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को दिशानिर्देशों के अनुसार कनेक्शनों का समय पर सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीएजेजीयूए) के तहत एलपीजी कनेक्शनों की पूर्ण संतृप्ति के लिए चिन्हित राख बरोटियां और बारी गाँवों पर विशेष समय पर सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

एडीडीसी राजौरी ने ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा की

राजौरी, 23 अक्टूबर। अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त (एडीडीसी) राजौरी, मलिकज़ादा शेराज़ उल हक ने आज डाक बंगला राजौरी में एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें जिले में ग्रामीण विकास विभाग द्वारा कार्यान्वित की जा रही योजनाओं और बजटीय मदों की प्रगति का आकलन किया गया।

पंचायती राज संस्थाओं के पूंजीगत व्यय कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए, एडीडीसी को बताया गया कि प्रस्तावित 2862 कार्यों में से 2756 के लिए निविदाएँ जारी की जा चुकी हैं और अब तक 1748 आवंटित किए जा चुके हैं। एडीडीसी ने शेष कार्यों के लिए आवंटन प्रक्रिया दो सप्ताह के भीतर पूरी करने के निर्देश दिए।उन्होंने बीडीसी, डीडीसी, एसएसवाई, आकांक्षी पंचायतों और एबीडीपी घटकों के अंतर्गत प्रगति की समीक्षा की, साथ ही सीडीएफ कार्यों की स्थिति का भी जायजा लिया।

उपायुक्त रामबन ने प्रमुख क्षेत्रों में विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

रामबन, 23 अक्टूबर। उपायुक्त रामबन मोहम्मद अलयास खान ने कार्यकारी एजेंसियों और संबंधित विभागों को जन शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा करने के निर्देश दिए, विशेष रूप से वे जो मूलभूत सुविधाओं और विकास कार्यों से संबंधित हैं। उन्होंने जिला कैपेक्स बजट और अन्य विकास योजनाओं के तहत क्रियान्वित परियोजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की।

उपायुक्त ने यह निर्देश अपनी हालिया जन संपर्क कार्यक्रमों के दौरान गूल, बनिहाल, रामसू और जिले की अन्य तहसीलों में उठाए गए मुद्दों पर विभागों द्वारा की गई कार्रवाई की समीक्षा करते हुए जारी किए।

बैठक में सहायक आयुक्त राजस्व शौकत हयात मट्टू, सहायक आयुक्त विकास शेराज़ अहमद, कार्यकारी अभियंता, एईई और पीडब्ल्यूडी, पीएमजीएसवाई, आरईडब्ल्यू व अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

सीमित कार्य सीजन और निकट आती सर्दियों का उल्लेख करते हुए, उपायुक्त ने विशेष रूप से ग्रामीण अभियांत्रिकी प्रकोष्ठ और पीडब्ल्यूडी आर एंड बी विभाग को आवंटित कार्यों की टेंडर प्रक्रिया एवं क्रियान्वयन शीघ्र आरंभ करने के निर्देश दिए, ताकि समय पर उनकी पूर्णता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने सड़कों और अन्य अवसंरचना परियोजनाओं में गुणवत्ता मानकों के कठोर पालन पर जोर दिया।

उपायुक्त ने आगे आरईडब्ल्यू को शेष कार्यों की शीघ्र पुनः निविदा प्रक्रिया पूरी करने और स्वी.त कार्यों को प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने शहरी स्थानीय निकाय, युवा सेवा एवं खेल, शिक्षा और राजस्व विभागों की विकास परियोजनाओं की स्थिति की भी समीक्षा की।

निधियों के प्रभावी उपयोग के महत्व पर बल देते हुए, उपायुक्त ने कार्यकारी एजेंसियों को निर्धारित समयसीमा के भीतर अपने वित्तीय और भौतिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के निर्देश दिए।

अधिकारियों ने कुछ परियोजनाओं में आ रही बाधाओं के बारे में फीडबैक दिया। उपायुक्त ने अधिकांश मुद्दों का मौके पर ही समाधान किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए ताकि जिले में विकासात्मक पहलों का सुचारू क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।

जेएमसी आयुक्त ने ग्रेटर कैलाश का दौरा किया

जम्मू, 23 अक्टूबर। जम्मू नगर निगम (जेएमसी) के आयुक्त डॉ. देवांश यादव ने आज नगर निगम सीमा के अंतर्गत आने वाले एक महत्वपूर्ण और तेज़ी से विकसित हो रहे क्षेत्र, वार्ड संख्या 68-ग्रेटर कैलाश का व्यापक दौरा किया।

इस दौरे के दौरान, डॉ. यादव ने ग्रेटर कैलाश शिव मंदिर, फाउंटेन चौक, जलोचक बस्ती, ग्रेटर कैलाश पार्क और रॉयल एवेन्यू सहित कई प्रमुख स्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरे का उद्देश्य सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे की ज़मीनी स्थिति का आकलन करना और उन क्षेत्रों की पहचान करना था जहाँ विकासात्मक हस्तक्षेप की आवश्यकता है।

ग्रेटर कैलाश रेजिडेंट्स वेलफेयर सोसाइटी के सदस्यों और कई स्थानीय लोगों ने आयुक्त से मुलाकात की और उन्हें क्षेत्र को प्रभावित करने वाले गंभीर नागरिक मुद्दों से अवगत कराया। उन्होंने नागरिक सुविधाओं में सुधार और उन्नयन के लिए विभिन्न माँगें उठाईं, जिनमें शिव मंदिर के पास तालाब का जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण, बरसात के मौसम में जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने और जलभराव को रोकने के लिए नाले का काम पूरा करना, स्वच्छता और कनेक्टिविटी में सुधार के लिए जलोचक बस्ती में नई गलियाँ और नालियाँ बिछाना, ग्रेटर कैलाश पार्क की सुरक्षा और सुंदरता बहाल करने के लिए ढह गई चारदीवारी की मरम्मत और रॉयल एवेन्यू क्षेत्र में लंबित गली और नाली के काम को पूरा करना शामिल है।

डॉ. यादव ने निवासियों की बात धैर्यपूर्वक सुनी और उन्हें आश्वासन दिया कि उठाए गए मुद्दों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि जम्मू नगर निगम अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत सभी क्षेत्रों का समान विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को लंबित विकास कार्यों के विस्तृत अनुमान तैयार करने और उन्हें समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

हब्बा कदल के करफाली मोहल्ला इलाके में लगी भीषण आग में सात रिहायशी घर जलकर राख

श्रीनगर, 23 अक्टूबर (हि.स.)। श्रीनगर के हब्बा कदल के करफाली मोहल्ला इलाके में बुधवार और गुरुवार की दरमियानी रात भीषण आग लग गई जिससे सात रिहायशी घर जलकर राख हो गए और तेरह परिवार बेघर हो गए।

स्थानीय लोगों ने बताया कि घनी आबादी वाले करफाली मोहल्ला इलाके में सामुदायिक भवन के पास आधी रात के आसपास आग लग गई। जैसे ही आग की लपटें एक घर से दूसरे घर में तेज़ी से फैलीं तो पूरे इलाके में दहशत फैल गई। महाराजगंज, बाबदेम और मुख्यालय सहित कई स्टेशनों से अग्निशमन और आपातकालीन सेवा की टीमें आग पर काबू पाने के लिए मौके पर पहुँचीं।कई घंटों तक चले भीषण अग्निशमन अभियान के बावजूद सात आवासीय ढाँचे पूरी तरह से नष्ट हो गए जबकि आसपास के कई घरों को आंशिक क्षति हुई। संकरी गलियों और पुराने श्रीनगर इलाके की खासियत, भीड़भाड़ वाले आवासों के कारण अभियान में बाधा आई।अग्निशमन और आपातकालीन सेवा विभाग के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि सभी सात घर जलकर खाक हो गए और प्रभावित इमारतों में कम से कम तेरह परिवार रह रहे थे। सौभाग्य से किसी के हताहत होने या गंभीर रूप से घायल होने की कोई खबर नहीं है हालाँकि आग में कई घरेलू सामान, कीमती सामान और महत्वपूर्ण दस्तावेज़ नष्ट हो गए।

पुलिस, अग्निशमन विभाग और स्थानीय लोगों ने आग को और फैलने से रोकने के लिए मिलकर काम किया।

एसएसपी मोहिता शर्मा ने कठुआ के पहाड़ी क्षेत्रों का दौरा किया, राष्ट्र-विरोधी गतिविधि को रोकने के लिए सतर्क रहने का दिए निर्देश

कठुआ, 23 अक्टूबर (हि.स.)। कठुआ जिले के सुरक्षा तंत्र को और मजबूत करने और मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के उद्देश्य से एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा आईपीएस ने एसपी (ऑपरेशन) अपर कठुआ उमर इकबाल, एसडीपीओ बिलावर नीरज पडियार और अपर कठुआ के अन्य अधिकारियों के साथ बिलावर, रामकोट, नंगला और मछेड़ी क्षेत्रों का व्यापक दौरा किया। इस दौरे के दौरान एसएसपी कठुआ ने अपर कठुआ में कार्यरत सेना, सीआरपीएफ और अन्य सहयोगी सुरक्षा एजेंसियों के साथ एक उच्च-स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में घुसपैठ, संदिग्ध तत्वों की आवाजाही, राष्ट्र-विरोधी तत्वों (एएनई) की उपस्थिति, घुसपैठ मार्गों पर

नियंत्रण, बलों की रणनीतिक तैनाती और अंतर-एजेंसी समन्वय व तालमेल जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया। सेना और सीआरपीएफ के अधिकारियों ने अपनी तैनाती पद्धति, शीतकालीन रणनीति, चिन्हित घुसपैठ मार्गों, जिम्मेदारी वाले क्षेत्रों और आतंकवाद रोधी (सीआई) अभियानों के दौरान अपनाए गए तंत्रों पर विस्तृत जानकारी दी। एसएसपी ने संभावित खतरों का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने और क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सभी सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक के बाद एसएसपी कठुआ ने मछेड़ी स्थित एसओजी कैंप का दौरा किया, जहाँ उन्होंने एसओजी मछेड़ी, एसओजी दुगैनी, एसओजी कटली के कर्मियों और मछेड़ी चौकी के अधिकारियों के साथ बातचीत की। एसएसपी कठुआ ने सभी अधिकारियों को किसी भी राष्ट्र-विरोधी गतिविधि को रोकने के लिए सतर्क और सक्रिय रहने का निर्देश दिया।

संपादकीय

आतंकवाद की मार झेल रहा पर्यटन

पर्यटकों के आगमन में गिरावट के बारे में घाटी से आ रही रिपोर्टों ने साबित कर दिया है कि 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में हुआ भीषण हमला एक रणनीतिक झटका था जिसका उद्देश्य इस क्षेत्र के सबसे प्रमुख शांति लाभ, यानी पर्यटन को प्रभावित करना था।

इसकी गूँज अभी भी होटलों, शिकारों, परिवहन उद्योग और हस्तशिल्प की दुकानों और उन हज़ारों परिवारों में महसूस की जा रही है जिनकी आजीविका पर्यटकों के आने और उनकी सुरक्षा पर निर्भर है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि केंद्र सरकार दावा कर रही है कि उसने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से उस भयावह आतंकी हमले का बदला ले लिया है, लेकिन जहाँ तक जम्मू-कश्मीर में पर्यटन क्षेत्र का सवाल है, हालात अभी भी संकट में हैं और हितधारकों की उम्मीदें दिन-ब-दिन कम होती जा रही हैं क्योंकि यह क्षेत्र, जो जम्मू-कश्मीर के मुख्य आधारों में से एक है, पहलगाम आतंकी हमले के लगभग छह महीने बाद भी संघर्ष कर रहा है, जिसमें 25 पर्यटकों और एक स्थानीय गाइड की जान चली गई थी। सर्दियों का मौसम नज़दीक आते ही, आर्थिक सुधार की उम्मीदें कमज़ोर पड़ गई हैं और पर्यटन पर निर्भर व्यवसायों को अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

रिपोर्ट्स बता रही हैं कि घाटी भर के होटलों में 70-80 प्रतिशत तक की कमी दर्ज की जा रही है, पर्यटक टैक्सी संचालक ज़्यादातर खाली बैठे हैं और डल झील पर शिकारा चलाने वाले अपनी आजीविका चलाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इसके अलावा, हस्तशिल्प विक्रेताओं से लेकर रेस्टोरेंट तक, स्थानीय अर्थव्यवस्था पर इसका असर दिख रहा है, पर्यटन से जुड़े व्यवसायों के कई बैंक खाते गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) में बदल रहे हैं।

दिलचस्प बात यह है कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा का प्रशासन और केंद्र सरकार समेत सत्ता में बैठे लोग अपनी उपलब्धियों का बखान करने में व्यस्त रहे, लेकिन पर्यटन को पटरी पर लाने के लिए कुछ खास नहीं किया गया। मई के महीने में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष बढ़ने और उसके बाद इस मानसून में हुई अभूतपूर्व बारिश से यह क्षेत्र और भी प्रभावित हुआ, जिसके कारण अचानक आई बाढ़, भूस्खलन और कई जगहों पर ज़मीन के टुकड़ों के धंसने से व्यापक तबाही हुई और जान-माल का भी भारी नुकसान हुआ। यह पर्याप्त नहीं था क्योंकि इस तबाही ने राजमार्गों और अन्य सड़कों को भी अवरुद्ध कर दिया, रेल सेवाओं को बाधित कर दिया और राज्य पर्यटन विकास बोर्ड (एसएमवीडीएसबी) को माता वैष्णो देवी के प्रसिद्ध गुफा मंदिर की तीर्थयात्रा रोकने के लिए मजबूर होना पड़ा।

हितधारकों के जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों को वापस लाने के लिए संघर्ष करने के साथ, यह आवश्यक हो जाता है कि शीर्षस्थ अधिकारी एक बार फिर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए कुछ अनोखे कदम उठाएँ क्योंकि यह पर्यटन पर निर्भर इस क्षेत्र में जीवन को बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

कुल मिलाकर, इस दिशा में अभी जो कुछ भी प्रमुख लोग कर रहे हैं वह पर्याप्त नहीं है और इसलिए पर्यटन को इस वर्ष 22 अप्रैल से पहले की स्थिति में लाने के लिए और अधिक कार्य करने की आवश्यकता है।

बच्चों से भीख मंगवाना एक सामाजिक अपराध

- डॉ प्रियंका सौरभ

किसी के भी जीवन की सबसे अमूल्य संपत्ति बचपन है। खेलना, पढ़ना, सीखना और सुरक्षित वातावरण में बड़े होना, हर बच्चे का अधिकार है। लेकिन बच्चों का शोषण, भीख मंगवाने के लिए उनका इस्तेमाल और उनकी मासूमियत का लाभ उठाना आज गंभीर सामाजिक समस्या बन चुका है। भीख मंगवाना व्यक्तिगत समस्या नहीं है; यह एक व्यवस्थित व्यवसाय बन चुका है। छोटे-बड़े शहरों में यह आम दृश्य है कि मासूम बच्चे हाथ में थाली, कपड़े या किसी वस्तु के साथ चलते हैं और लोग उनके मासूम चेहरों पर दया दिखा कर पैसे डाल देते हैं। यह न केवल बच्चों के बचपन को छीनता है, बल्कि उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से भी प्रभावित करता है। समाज की जागरूकता की कमी, लोगों का दया भाव और कुछ परिवारों की आर्थिक मजबूरी मिलकर इस समस्या को बढ़ावा देते हैं। यह सिर्फ गरीबी का नतीजा नहीं बल्कि बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन भी है।

बचपन किसी भी मानव जीवन का सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील हिस्सा होता है। यह वह समय है जब बच्चे सीखते हैं, अनुभव प्राप्त करते हैं और अपनी पहचान बनाते हैं। लेकिन जब बच्चों को भीख मंगवाने या किसी अन्य शोषण के लिए मजबूर किया जाता है, तो उनका विकास बाधित होता है। भीख मंगवाना कभी-कभी आर्थिक मजबूरी का नतीजा हो सकता है, लेकिन जब यह नियमित रूप से होता है और बच्चे को मजबूर किया जाता है, तो यह शोषण बन जाता है। मासूमियत का फायदा उठाकर बच्चों से पैसे कमाना एक नैतिक अपराध है। समाज की भूमिका यहां महत्वपूर्ण बन जाती है। लोग यह सोचकर पैसा देते हैं कि वे मदद कर रहे हैं, लेकिन वास्तव में वे बच्चों के शोषण को प्रोत्साहित कर रहे हैं। माता-पिता और परिवार की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे अपने बच्चों को इस तरह की गतिविधियों से बचाएं।

भारत में बाल श्रम और बच्चों से भीख मंगवाने को रोकने के लिए कई कानून हैं। बाल श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम बच्चों को मजदूरी और शोषण से बचाने के लिए बनाया गया है। इसके अलावा, चाइल्डलाइन 1098 जैसी सेवाएँ 24×7 बच्चों की मदद के लिए उपलब्ध हैं। एनजीओ और सामाजिक संगठन भी सक्रिय रूप से बच्चों को शोषण से बचाने और उन्हें शिक्षा उपलब्ध कराने का काम कर रहे हैं। लेकिन वास्तविक चुनौती यह है कि कई बार बच्चे और उनके माता-पिता कानूनी संरचना से अनजान रहते हैं और शोषण नेटवर्क इतने संगठित होते हैं कि उन्हें पकड़ना मुश्किल होता है। सरकार और समाज को मिलकर बच्चों की सुरक्षा के लिए जागरूकता फैलानी होगी और उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन देना होगा।

समाज का दया भाव और सहानुभूति अक्सर बच्चों के शोषण का कारण बन जाती है। अगर लोग बच्चों को भीख देने के बजाय सही तरीके से मदद करें, तो वे शोषण को बढ़ने से रोक सकते हैं। स्थानीय समुदाय, स्कूल, माता-पिता और पड़ोसी मिलकर बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। बच्चों को सुरक्षित वातावरण, शिक्षा और खेलकूद का अवसर देना उनके विकास के लिए जरूरी है। समाज को यह समझना होगा कि केवल पैसे देना बच्चों की मदद नहीं है। सही कार्रवाई, जैसे एनजीओ, चाइल्ड लाइन और सामाजिक संस्थाओं को सूचित करना ही बच्चों को शोषण से बचा सकती है।

भीख मंगवाना कई जगहों पर आर्थिक व्यवसाय बन चुका है। कुछ परिवार और नेटवर्क मासूम बच्चों को इस्तेमाल करके पूरे दिन हजारों रुपये कमाते हैं। यह सिर्फ बच्चों की मासूमियत का फायदा उठाना नहीं है, बल्कि उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से प्रभावित करना भी है। पैसा देने वाले लोग यह सोचते हैं कि वे दया कर रहे हैं लेकिन असल में वे इस प्रणाली को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। यह एक चक्र बन जाता है, जिसमें बच्चों का शोषण जारी रहता है। बच्चों के भविष्य और समाज की नैतिक जिम्मेदारी के लिहाज से यह गंभीर समस्या है।

इस समस्या का समाधान समाज, सरकार और नागरिकों के मिलकर काम करने में है। बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा के लिए कदम उठाना जरूरी है।

पैसे देने की बजाय मदद करें। बच्चों को भीख देने के बजाय उन्हें शिक्षा, खेल और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करवाएं। बच्चों की सुरक्षा के लिए चाइल्ड लाइन (1098) और मान्यता प्राप्त एनजीओ से संपर्क करें। समाज में बच्चों के अधिकारों और शोषण की समस्या के बारे में जागरूकता बढ़ाएं। स्कूल, माता-पिता और पड़ोसी मिलकर बच्चों के सुरक्षित वातावरण को सुनिश्चित करें। सिर्फ दया भाव या छोटे पैसों से बच्चों की मदद नहीं होगी। सही कार्रवाई, जागरूकता और कानूनी उपाय ही उन्हें बचा सकते हैं। समाज, सरकार और नागरिकों के मिलकर सही कदम उठाने से ही इस समस्या का समाधान संभव है। जागरूकता, शिक्षा और सहयोग से ही हम बच्चों को उनका बचपन वापस दिला सकते हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव रख सकते हैं।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भारत में बाल श्रम और बच्चों से भीख मंगवाने को रोकने के लिए कई कानून हैं। बाल श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम बच्चों को मजदूरी और शोषण से बचाने के लिए बनाया गया है। इसके अलावा, चाइल्डलाइन 1098 जैसी सेवाएँ 24×7 बच्चों की मदद के लिए उपलब्ध हैं। एनजीओ और सामाजिक संगठन भी सक्रिय रूप से बच्चों को शोषण से बचाने और उन्हें शिक्षा उपलब्ध कराने का काम कर रहे हैं। लेकिन वास्तविक चुनौती यह है कि कई बार बच्चे और उनके माता-पिता कानूनी संरचना से अनजान रहते हैं और शोषण नेटवर्क इतने संगठित होते हैं कि उन्हें पकड़ना मुश्किल होता है।

सेहत पर भारी पड़ती रहन-सहन, खानपान की बदलती प्राथमिकताएं

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

देशवासियों के रहन-सहन और खान-पान में तेजी से बदलाव आ रहा है। लोगों की प्राथमिकताएं चाहे शहरी क्षेत्र हो या ग्रामीण, सभी जगह बदलाव का दौर चल रहा है। बदलती प्राथमिकताएं सेहत पर भारी पड़ने लगी है तो गंभीर चिंता का कारण भी बनती जा रही है।

बदलाव को इसी तरह से भली-भांति समझा जा सकता है कि प्राथमिकताओं में वाहन, दवा और जंक फूड प्रमुखता लेते जा रहे हैं। यूनिसेफ की पिछले दिनों जारी रिपोर्ट के अनुसार बदलाव का यह दौर शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में नेक टू नेक देखा जा रहा है। अनाज का स्थान जंक फूड ले चुका है।

ग्रामीण क्षेत्र में जंक फूड का उपयोग जहां 10 प्रतिशत हो गया है वहीं, अनाज उपयोग 5.4 प्रतिशत रह गया है। इसी तरह से शहरी क्षेत्र में जंक फूड की हिस्सेदारी 11 प्रतिशत हो गई है तो अनाज पर खर्च का प्रतिशत केवल केवल 4 प्रतिशत रह गया है। वाहन आदि पर व्यय ग्रामीण क्षेत्र में 7.8 फीसदी हो गया है तो शहरी क्षेत्र में कुछ ही अधिक 8.2 प्रतिशत हो गया है। यह रहन-सहन व खान-पान के बदलाव की तस्वीर है। साइड-इफेक्ट यह कि अनाज से ज्यादा खर्च स्वास्थ्य यानी की इलाज पर ग्रामीण क्षेत्र में 6.5 प्रतिशत तो शहरी क्षेत्र में इससे कुछ कम 5.9 प्रतिशत होने लगा है। शिक्षा पर खर्च में ग्रामीण क्षेत्र जहां 3.8 प्रतिशत पर अटका है वहीं शहरी क्षेत्र 6 प्रतिशत है। निश्चित रुप से शहरी क्षेत्र में शिक्षा प्राथमिकता बनी हुई है।

यूनिसेफ की चिंता यह नहीं है कि किस पर कितना व्यय हो रहा है। चिंता का कारण यह है कि जंक-फूड के साइड-इफेक्ट सामने आने लगे हैं। आज अधिक कैलोरी वाले जंक-फूड पेट भरने का प्रमुख साधन बन गया है। साइड इफेक्ट देखिये कि बच्चों से लेकर बड़ों तक देश में मोटापा तेजी से बढ़ता जा रहा है।

इसी तरह से मोटापा के कारण होने वाली बीमारियों के साथ आज की युवा पीढ़ी हृदय रोग की शिकार होती जा रही है। दुनिया के देशों में जहां डायबिटिज

यानी मधुमेह की गिरफ्त को कम करने में जुटे हैं वहीं हमारे देश में मधुमेह की गिरफ्त लगातार मजबूत होती जा रही है। मधुमेह से ग्रसित लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके साथ ही अन्य बीमारियों की पकड़ अधिक होती जा रही है।

जंक फूड के चलते इम्यूनिटी प्रभावित हो रही है। अधिक कैलोरी के कारण शरीर थुलथुल होता जा रहा है। हालांकि मोटापे की समस्या से समूची दुनिया जूझ रही है। यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार डिब्बाबंद खाने के चलते साल 2030 तक देश में 2.7 करोड़ से अधिक बच्चे मोटापे की चपेट में आने की आशंका व्यक्त की जा रही है। बच्चे हो या बड़े सबकी पंसद बर्गर, पिज्जा, चिप्स, कुरकुरे, मैगी, बिस्कुट और इसी तरह से डिब्बाबंद खाद्य सामग्री के साथ जूस और सॉफ्ट ड्रिंक पसंद बनते जा रहे हैं। इसका एक तो बड़ा कारण ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में समाज रुप से बढ़ती मार्केटिंग सुविधा, चंद मिनट से लेकर कुछ मिनटों में ही सामग्री की उपलब्धता, फिर स्वाद और आक्रामक विज्ञापनों के मोहजाल के कारण पैक्ड खाद्य सामग्री के प्रति तेजी से रुझान बढ़ा है।

आकर्षक नाम, आकर्षक आउटलेट, वेल अरेंज्ड डिलिवरी सिस्टम व गिग वर्कर्स की टीम द्वारा आर्डर के साथ ही चंद मिनटों में उपलब्धता और इसके साथ ही इंस्टेट खाने की आदत के कारण यह सब हो रहा है।

चिंता का कारण है कि खाना जो पौष्टिकता और समयानुकूल होता था वह अब कहीं खो गया है। अब स्वाद और इंस्टेट खाने का मोह होने लगा है। एक अन्य कारण शहरों में अध्ययन के लिए जाने, पीजी और लाइब्रेरी की कल्चर ने युवाओं का जंक फूड की गिरफ्त में अधिक ले लिया है।

कौन खाना बनाए- के चक्कर में एक फोन पर सहज उपलब्धता को देखते हुए भी जंक फूड को बढ़ावा मिला है। फिर यह शहरों से गांवों तक पहुंच गई है जिससे गांवों में भी जंक फूड आम होता जा रहा है।

यूनिसेफ ही नहीं समूची दुनिया की चिंता का कारण यह है कि खानपान और रहन-सहन की बदलती प्रवृति स्वास्थ्य को बुरी तरह से प्रभावित कर रही है। आज समूची दुनिया मोटापा की समस्या को लेकर गंभीर है तो हृदय रोग की गिरफ्त में कम आयु के भी आने लगे हैं। अब तो साइलेंट अटैक का दौर और चल गया है और संभलने तक का मौका नहीं मिलता है। ऐसे में पंरपरागत खानपान की और लौटना ही होगा। पिछले दिनों ही अधिक कैलोरी और मोटापे की लगातार विकराल होती समस्या के कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं लोगों से अधिक तैलीय खाद्य पदार्थ के उपयोग को कम करने के लिए देशवासियों से आग्रह कर चुके हैं। राजस्थान की सरकार ने एक बड़ा निर्णय करते हुए सरकारी बैठकों में चना-मूंगफली का उपयोग शुरु कर दिया है। यह विश्वव्यापी समस्या है, ऐसे में लोगों की आदत में बदलाव के समग्र प्रयास करने होंगे। यह मालूम होने के बावजूद लोगों द्वारा जंकफूड का उपयोग बढ़ रहा है, इस आदत को बदलना होगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

जंक फूड के चलते इम्यूनिटी प्रभावित हो रही है। अधिक कैलोरी के कारण शरीर थुलथुल होता जा रहा है। हालांकि मोटापे की समस्या से समूची दुनिया जूझ रही है। यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार डिब्बाबंद खाने के चलते साल 2030 तक देश में 2.7 करोड़ से अधिक बच्चे मोटापे की चपेट में आने की आशंका व्यक्त की जा रही है। बच्चे हो या बड़े सबकी पंसद बर्गर, पिज्जा, चिप्स, कुरकुरे, मैगी, बिस्कुट और इसी तरह से डिब्बाबंद खाद्य सामग्री के साथ जूस और सॉफ्ट ड्रिंक पसंद बनते जा रहे हैं। इसका एक तो बड़ा कारण ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में समाज रुप से बढ़ती मार्केटिंग सुविधा, चंद मिनट से लेकर कुछ मिनटों में ही सामग्री की उपलब्धता, फिर स्वाद और आक्रामक विज्ञापनों के मोहजाल के कारण पैक्ड खाद्य सामग्री के प्रति तेजी से रुझान बढ़ा है।

माओवाद का खात्मा : संकल्प से सिद्धि की ओर अग्रसर

मृत्युंजय दीक्षित

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में गृहमंत्री अमित शाह ने देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बने माओवाद को मार्च 2026 तक समाप्त करने का जो संकल्प लिया है वह अब सिद्धि की ओर अग्रसर है। देश का एक बहुत बड़ा भू भाग जो विकास की मुख्यधारा से अलग था अब शेष भारत के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को तत्पर है।

आज छत्तीसगढ़ के नक्सलवादी आतंकवाद के लिए कुख्यात बस्तर में तिरंगा फहरा रहा है और नक्सलवादियों के गढ़ में गृहमंत्री अमित शाह की जनसभाएं हो रही हैं। गृहमंत्री नक्सलवादियों को स्पष्ट संदेश देते हैं कि, माओवादियों आपके पास अब दो ही विकल्प बचे हैं या तो समर्पण कर दें या फिर एनकाउंटर के लिए तैयार रहें।

इस सख्ती का ही असर है कि 17 अक्टूबर 2025 को छत्तीसगढ़ में एक साथ 210 माओवादियों ने एक साथ समर्पण किया है। उधर, महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के समक्ष छह करोड़ रुपए के इनामी माओवादी पोलित ब्यूरो सदस्य मल्लेजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति उर्फ सोनू उर्फ अभय ने 60 साथियों सहित बंदूक छोड़कर विकास की राह थाम ली है। इन माओवादियों ने 54 हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया है जिनमें सात एके 47 और नौ इंसास राइफलें है। भूपति माओवादी संगठन में सबसे प्रभावशाली रणनीतिकारों में माना जाता था और उसने लंबे समय तक महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर अभियानों का नेतृत्व किया। भूपति वही खतरनाक माओवादी आतंकवादी है जिसने छत्तीसगढ़ में सीआरपीएफ के 76 जवानों का नरसंहार किया था।

महाराष्ट्र का गढ़चिरौली जिला दशकों से माओवादी गतिविधियों का केंद्र रहा है। इस क्षेत्र के शीर्ष माओवादी का समर्पण शेष बचे हुए नक्सलियों खासकर निचले स्तर के कैडर को सीधा संदेश दे रहा है कि अब जब उनका सबसे बड़ा और अनुभवी नेता हथियार डाल रहा है तो उनके पास भागने या छिपने का कोई रास्ता नहीं बचा है।

इससे वे भी समर्पण करने के लिए मन बनायेंगे। यह समर्पण छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, तेलंगाना जैसे राज्यों के लिए शांति का बड़ा संकेत है। भूपति व उसके साथियों के समर्पण करने से माओवादियों की सबसे मजबूत दीवार ढह गई है।

जनवरी 2023 में गृहमंत्री अमित शाह ने माओवाद के खिलाफ ऑपरेशन को हरी झंडी दी, उसके बाद से अब तक सुरक्षाबलों ने 312 माओवादियों को मार गिराया है। मारे गए माओवादियों में में सीपीआई माओवादी महासचिव वासव राजू समेत पोलित ब्यूरो और केंद्रीय समिति के आठ सदस्य भी शामिल हैं। 21 जनवरी 2024 से लेकर अब तक माओवाद के खिलाफ अनेक ऑपरेशन सफलतापूर्वक चलाए जा चुके हैं, जिनमें 836 माओवादी गिरफ्तार किये गए हैं और 1639 आत्मसमर्पण कर चुके हैं। आत्मसमर्पण करने वालों में पोलित ब्यूरो और एक केंद्रीय समिति सदस्य शामिल है।

वर्ष 2010 में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने माओवाद को भारत की सबसे बड़ी चुनौती बताया था किंतु उस समय राजनैतिक कारणों से माओवाद के पूर्ण सफाए का कोई ब्लूप्रिंट नहीं बन पाया था। मनमोहन सरकार के कार्यकाल में माओवादी बहुत बड़ी चुनौती थे। उस समय ये नेपाल के पशुपतिनाथ से आंध्र प्रदेश के तिरुपति तक लाल कॉरिडोर बनाने का सपना देख रहे थे । ये भारत, भारत के संविधान और भारत की सनातन संस्कृति से बैर रखते हैं।

वर्ष 2013 में विभिन्न राज्यों के 126 जिलों के माओवादी हिंसा से ग्रस्त होने की रिपोर्ट केंद्र को भेजी गई थी। वर्ष 2014 में मोदी सरकार आने के बाद से मार्च 2025 तक यह संख्या 126 से घटकर केवल 18 जिलों तक सीमित रह गई है। वर्तमान में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या 11 रह गई है। इनमें छत्तीसगढ़ के सात जिले, झारखंड का एक जिला पश्चिम सिंहभूम, मध्यप्रदेश का एक जिला बालाघाट, महाराष्ट्र का एक जिला गढ़चिरौली और ओडिशा का एक जिला कंधमाल शामिल है। इनमें भी अब छत्तीसगढ़ के तीन जिले बीजापुर, नाराणपुर और सुकमा ही अति माओवादी प्रभावित बचे हैं। वर्ष 2014 के पूर्व माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में 15 अगस्त और 26 जनवरी जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर तिरंगा फहराना अपराध माना जाता था, गरीबों के लिए सरकारी सहायता नहीं पहुच पाती थी और दूरदराज के गांवों से किसी भी माध्यम से संपर्क नहीं हो पाता था।

अब समय बदल चुका है, छत्तीसगढ़ के माओवाद से मुक्त हुए क्षेत्रों में विकास की नई गंगा बह रही है। बस्तर जैसे कुख्यात जिले मे तिरंगा शान से फहरा रहा है। युवा बड़ी संख्या में खेलो इंडिया जैसे कार्यक्रमों में भागीदारी कर रहे है। माओवादियों से मुक्त हुए क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का तीव्र विकास किया जा रहा है। कल्याणकारी योजनाएं लागू की जा रही हैं जिससे वहां की जनता दोबारा माओवादियों के दुष्प्रचार में न फंसे। माओवाद के विरुद्ध अभियान के अंतर्गत उनकी फंडिंग रोकने का काम भी किया जा है।

जैसे-जैसे माओवाद के सफाए का अभियान आगे बढ़ रहा है, उसके समर्थक राजनैतिक तत्वों के पेट में दर्द भी उठ रहा है। माओवाद के समर्थन से फल फूल रहे वामपंथी दलों ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर माओवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को बंद करने की अपील तक कर दी। तेलंगना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने तो एक कार्यक्रम में कह दिया कि, माओवाद एक विचारधारा है जो कभी समाप्त नहीं हो सकती। सोशल मीडिया पर भी माओवादी विचारधारा के समर्थक भी यही बात कह रहे हैं कि यह विचारधारा पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकती।

माओवाद एक जहरीली, खतरनाक और नरसंहार का समर्थन करने वाली विचारधारा है जिसका अंत करने के लिए सरकार ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। सुरक्षा बल आक्रामक भी हैं और समर्पण करने वालों का स्वागत भी कर रहे हैं। पुनर्वास और पुनर्जीवन का प्रयास कर रही है। विकास को हर द्वार तक ले जा रही है जिससे आम व्यक्ति नक्सल के लाल आतंक के भय को भूल कर आगे बढ़ सके।

वर्ष 2013 में विभिन्न राज्यों के 126 जिलों के माओवादी हिंसा से ग्रस्त होने की रिपोर्ट केंद्र को भेजी गई थी। वर्ष 2014 में मोदी सरकार आने के बाद से मार्च 2025 तक यह संख्या 126 से घटकर केवल 18 जिलों तक सीमित रह गई है। वर्तमान में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या 11 रह गई है। इनमें छत्तीसगढ़ के सात जिले, झारखंड का एक जिला पश्चिम सिंहभूम, मध्यप्रदेश का एक जिला बालाघाट, महाराष्ट्र का एक जिला गढ़चिरौली और ओडिशा का एक जिला कंधमाल शामिल है। इनमें भी अब छत्तीसगढ़ के तीन जिले बीजापुर, नाराणपुर और सुकमा ही अति माओवादी प्रभावित बचे हैं। वर्ष 2014 के पूर्व माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में 15 अगस्त और 26 जनवरी जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर तिरंगा फहराना अपराध माना जाता था, गरीबों के लिए सरकारी सहायता नहीं पहुच पाती थी और दूरदराज के गांवों से किसी भी माध्यम से संपर्क नहीं हो पाता था।

यूईएफए चैंपियंस लीगः पीएसजी ने बायर लेवरकुसेन को 7-2 से रौंदा, न्यूकैसल ने बेनफिका को 3-0 से हराया

एजेंसी

लेवरकुसेन। बायर लेवरकुसेन और पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) के बीच मंगलवार को खेला गया चैंपियंस लीग मुकाबला गोलों, पेनल्टी और रेड कार्ड से भरपूर रहा। मौजूदा चैंपियन पीएसजी ने इस धमाकेदार मैच में 7-2 से बड़ी जीत दर्ज की और गोल अंतर के आधार पर अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया। मैच के पहले हाफ में ही 6 गोल, दो रेड कार्ड और दो पेनल्टी देखने को मिलीं। पीएसजी ने शुरुआती बढ़त 7वें मिनट में विलियम पाचो के हेडर से हासिल की। इसके बाद मैदान पर जबरदस्त एक्शन देखने को मिला। 25वें मिनट में लेवरकुसेन को पेनल्टी मिली, लेकिन एलेक्स ग्रिमाल्डो पोस्ट पर शॉट मार बैठे और मौका गंवा दिया। कुछ देर बाद कप्तान रॉबर्ट एंड्रिच को वीएआर समीक्षा के बाद कोहनी मारने के कारण सीधे रेड कार्ड से बाहर कर दिया गया। हालांकि, इसके बाद पीएसजी के इल्या ज़ाबार्नी को भी रेड कार्ड दिखाया गया, जिन्होंने क्रिस्चियन कोफाने को गोल के सामने गिरा दिया था और पहली पेनल्टी भी उन्हीं के कारण मिली थी। इस बार एलेक्स ग्रिमाल्डो ने गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। यह खुशी ज्यादा देर तक नहीं टिकी। 41वें मिनट में डिज़ायरे डूए ने गोल कर बढ़त फिर से पीएसजी को दिलाई। इसके तीन मिनट बाद ख्विचा क्वारात्सखेलिया ने शानदार गोल दागा और इंजरी टाइम में डूए ने अपना दूसरा गोल कर हाफटाइम तक स्कोर 4-1 कर दिया।

त्रिकोणीय महिला मैत्री फुटबॉल टूर्नामेंटः ईरान ने भारत को 2-0 से हराया

शिलॉन्ग। भारतीय सीनियर महिला फुटबॉल टीम को त्रिकोणीय महिला अंतरराष्ट्रीय मैत्री टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में मंगलवार रात ईरान के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में ईरान की स्थानापन्न खिलाड़ी सारा दीदार ने दूसरे हाफ में दो गोल दागकर मेहमान टीम को जीत दिलाई। पहले हाफ में दोनों टीमें गोलरहित रहीं, लेकिन दूसरे हाफ में ईरान ने खेल की गति पूरी तरह अपने पक्ष में कर ली। दीदार ने 64वें और 74वें मिनट में लगातार दो बार भारतीय रक्षा को भेद दिया। भारत, जिसने इस साल की शुरुआत में ऐतिहासिक एएफसी महिला एशियाई कप क्वालिफायर में शानदार प्रदर्शन किया था, इस मैच में फीका नजर आया। ईरानी टीम ने शुरू से ही बेहतर तालमेल और शारीरिक मजबूती दिखाते हुए खेल की लय अपने कब्जे में रखी। मैच की शुरुआत में ही चौथे मिनट में भारत के लिए खतरा पैदा हुआ जब गोलकीपर एलंगबम पंथोई चानू गेंद को सही से पकड़ नहीं पाईं। हालांकि, फंजौबम निर्मला देवी ने अंतिम क्षण में क्लियर कर भारत को शुरुआती झटके से बचा लिया। लेकिन 64वें मिनट में मेलिका मोतेवालीताहेर के सटीक क्रॉस पर भारतीय रक्षा चूक गई। ज़हरा ग़नबरी का हेड क्रॉसबार से टकराया और गेंद सारा दीदार के पास आई, जिसने कलाबाजी भरे अंदाज़ में गोल दाग दिया।

लालीगा ने मियामी में विलारियल और बार्सिलोना के बीच खेले जाने वाले मैच को रद्द किया

मैड्रिड। स्पेन की शीर्ष फुटबॉल लीग लालीगा ने घोषणा की है कि बार्सिलोना और विलारियल के बीच दिसंबर में मियामी (अमेरिका) में खेले जाने वाले नियमित सीजन मैच को रद्द कर दिया गया है। लालीगा ने जारी एक बयान में कहा, मियामी में आयोजित होने वाले आधिकारिक लालीगा मैच के प्रमोटर के साथ बातचीत के बाद, हाल के हफ्तों में स्पेन में उत्पन्न अनिश्चितता को देखते हुए इस कार्यक्रम को रद्द करने का निर्णय लिया गया है।लीग ने आगे कहा कि विदेश में आधिकारिक मैच आयोजित करना ÷प्रतियोगिता की वैश्विक वृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम÷ होता, जो क्लबों की अंतरराष्ट्रीय मौजूदगी, खिलाड़ियों की पहचान और स्पेनिश फुटबॉल की वैश्विक दृश्यता को मजबूत करता। गेम प्रमोटर 'रिलेवेंट स्पोर्ट्स' ने बताया कि उसने लालीगा को मैच स्थगित करने की आवश्यकता की सूचना दी क्योंकि इतने बड़े पैमाने के आयोजन को ठीक ढंग से तैयार करने के लिए पर्याप्त समय नहीं है। रिलेवेंट ने यह भी कहा, बिना पक्के मैच की पुष्टि के टिकट बिक्री शुरू करना गैरजिम्मेदाराना होगा। यह निर्णय ऐसे समय आया है जब खिलाड़ियों और अन्य क्लबों ने स्पेन के बाहर मैच आयोजित करने के विचार की आलोचना की है।

पीवीएल 2025ः कोच्चि ब्लू स्पाइकर्स ने अहमदाबाद डिफेंडर्स को 3-1 से हराकर टूर्नामेंट को विदाई दी

नई दिल्ली। कोच्चि ब्लू स्पाइकर्स ने आरआर केबल प्राइम वॉलीबॉल लीग पावर्ड बाय स्कैपिया के मुकाबले में अहमदाबाद डिफेंडर्स को 3-1 (15-13, 14-16, 17-15, 15-9) से हराकर अपने अभियान का अंत किया। एरिन वर्गीस को शानदार प्रदर्शन के लिए मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। अहमदाबाद ने बत्तूर बत्सुरी की जबरदस्त सर्विस और अटैक से पहले सेट में बढ़त बनाई, लेकिन कोच्चि के जसजोध सिंह की सुपर सर्व और ब्लॉक ने स्कोर बराबर किया। अमरिंदरपाल सिंह के मजबूत डिफेंस ने टीम को पहला सेट जीतने में मदद की। दूसरे सेट में एरिन की तेज सर्विस और अहमदाबाद के नंदगोपाल-और अखिन के बदलाव ने खेल को बराबरी पर ला दिया। लेकिन तीसरे सेट में निकोलस मारेचल और जसजोध की तेज़ स्पाइक्स ने कोच्चि को नियंत्रण में ला दिया। हेमंत और अमरिंदरपाल के सटीक अटैक्स और लिबरो एलन आशिक की रक्षात्मक मूव्स ने अहम अंक बनाए। चौथे सेट में कोच्चि की टीम ने लगातार दबाव बनाते हुए अर्शाक सिनान की गलत सर्विस का फायदा उठाकर मैच जीत लिया। इस जीत के साथ कोच्चि ब्लू स्पाइकर्स ने टूर्नामेंट से विदाई ली, जबकि अहमदाबाद पहले ही सेमीफाइनल में प्रवेश कर चुका था।

वर्ल्ड एथलेटिक्स ने मोंडो डुप्लांटिस, ट्रोसचियांका, यान और झांग के विश्व रिकॉर्ड को दी मान्यता

एजेंसी

नई दिल्ली। वर्ल्ड एथलेटिक्स ने मोंडो डुप्लांटिस के नवीनतम विश्व पोल वॉल्ट रिकॉर्ड और तीन विश्व अंडर-20 रिकॉर्ड्स को आधिकारिक मान्यता दे दी है। वर्ल्ड एथलेटिक्स ने इसकी जानकारी दी। स्वीडन के मोंडो डुप्लांटिस ने टोक्यो में हुए विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में 6.30 मीटर की ऊंचाई पार करते हुए अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने 12 अगस्त 2025 को बुडापेस्ट में बनाए गए 6.29 मीटर के रिकॉर्ड में एक सेंटीमीटर का इज़ाफ़ा किया। यह उनके करियर का 14वां विश्व रिकॉर्ड और लगातार तीसरा विश्व चैंपियनशिप खिताब है। डुप्लांटिस ने वर्ल्ड एथलेटिक्स के हवाले से कहा, यह मेरी कल्पना से भी बेहतर है। इस शानदार भीड़ के सामने विश्व रिकॉर्ड बनाना अविश्वसनीय है। मैं बेहद खुश हूं। इस प्रतियोगिता की खास बात यह रही कि इतिहास में पहली बार सात खिलाड़ियों

ने 5.90 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई पार की। वहीं 5.95 मीटर की छलांग इस बार पदक के लिए भी पर्याप्त नहीं रही। चीन की झांग जियाले और यान ज़ियी ने अगस्त में क्युझो में हुए चीनी चैंपियनशिप में क्रमशः महिला अंडर 20 हैमर थ्रो और भाला फेंक में विश्व रिकॉर्ड बनाए। 18 वर्षीय झांग जियाले ने 2 अगस्त को 77.24 मीटर का थ्रो कर अपने ही पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (75.14 मी.) और 2021 में फिनलैंड की सिल्जा कोसोनेन द्वारा बनाए गए 73.43 मीटर के विश्व अंडर 20 रिकॉर्ड को तोड़ा। उन्होंने अपने आखिरी प्रयास में भी 76.15 मीटर का थ्रो किया। बाद में टोक्यो में उन्होंने 77.10 मीटर फेंककर विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता। 17 वर्षीय यान ज़ियी ने अगले दिन, 3 अगस्त को, महिला 20 भाला फेंक में 65.89 मीटर का थ्रो कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने अपने ही पिछले रिकॉर्ड 64.41 मीटर (क्युझो 2024) और 64.83 मीटर (चेंगदू 2025) को पार किया। पोलैंड के ह्यूबर्ट ट्रोसचियांका ने 8 अगस्त को यूरोपीय अंडर-20 चैंपियनशिप (टाम्पेरे, फिनलैंड) में पुरुषों की अंडर-20 डेकैथलन (दसक्रीड़ा) में 8514 अंकों के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने जर्मनी के निक्लास काउल के 2017 में बनाए गए 8435 अंकों के रिकॉर्ड को तोड़ा और इतिहास में पहली बार किसी अंडर-20 एथलीट ने 8500 अंकों का आंकड़ा पार किया।

गोल्फर उदयन माने और वाणी कपूर करेंगे आईजीपीएल के जयपुर चरण में डेब्यू

एजेंसी

जयपुर। ओलंपियन उदयन माने और भारतीय महिला प्रो गोल्फ में सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक वाणी कपूर इस सप्ताह जयपुर में इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) टूर में अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। टूर अब तक चंडीगढ़, जेपी ग्रीन्स नोएडा और पुणे में हो चुका है और अब जयपुर में अपने अगले चरण में पहुंचा है। प्रतिष्ठित रामबाग गोल्फ क्लब में होने वाले इस टूर्नामेंट में 54 खिलाड़ियों का फील्ड हिस्सा लेगा – जिसमें 36 पुरुष प्रोफेशनल, 12 महिला प्रोफेशनल और 6 एमेच्योर खिलाड़ी शामिल हैं।

उदयन माने ने ठीक 10 साल पहले यहीं रामबाग क्लब में अपना पहला प्रो टाइटल जीता था। उन्होंने एक बयान में कहा, जयपुर मेरे लिए बहुत खास जगह है। यहां की कोर्स चुनौतीपूर्ण है और मैंने यहां शानदार यादें बनाई हैं। मैं इस बार भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करता हूं। उनके अलावा अमन राज (दो बार) और सचिन बइसोया ने भी इसी कोर्स पर खिताब जीते हैं। वाणी कपूर अपने करियर के शुरुआती दिनों में जयपुर में प्ले-ऑफ में हार चुकी हैं। इस बार वह इस नतीजे को सुधारना चाहती हैं। उन्होंने कहा, मुझे यहां जीतने की कमी खलती है। इस बार पुरुष खिलाड़ियों के साथ मुकाबला करना रोमांचक होगा। वाणी इस वर्ष महिला गोल्फ एसोसिएशन ऑफ इंडिया में चार खिताब जीत चुकी हैं और हीरो विमेंस इंडियन ओपन में टॉप-10 में जगह बनाई थी। वह जर्मनी में भी छठे स्थान पर रहीं। उनके अलावा इस टूर्नामेंट में अमंदीप द्राल और स्नेहा सिंह जैसी स्टार महिला खिलाड़ी भी हिस्सा ले रही हैं, जिन्होंने इस सीजन में कई खिताब जीते हैं। आईजीपीएल सीईओ उत्तम सिंह मुंडी के अनुसार, फील्ड काफी मजबूत है, भले ही गगनजीत भुल्लर और करणदीप कोछर इस सप्ताह अंतरराष्ट्रीय सीरीज़ में व्यस्त हैं।

सुखविंदर बावा बोले- पिता त्रिलोचन सिंह बावा के मेडल घर में हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी लंबे समय से विश्व में एक मानक के रूप में देखी जाती रही है। ओलंपिक खेलों में 8 स्वर्ण, 1 रजत और 4 कांस्य पदक जीतकर भारत ने कुल 13 पदक अपने नाम किए हैं, जो इस गौरवशाली विरासत का प्रमाण हैं। इन्हीं में से एक ऐतिहासिक पदक 1948 के लंदन ओलंपिक में जीता गया था। यह पहला मौका था जब आज़ाद भारत का तिरंगा ओलंपिक में लहराया और राष्ट्रगान गूंजा। इस ऐतिहासिक जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले खिलाड़ियों में से एक थे त्रिलोचन सिंह बावा, जिन्होंने लंदन में भारत की स्वर्णिम जीत में अहम गोल दागे। वेम्बली स्टेडियम में हुए फाइनल में भारत ने ग्रेट ब्रिटेन को हराकर इतिहास रचा था। त्रिलोचन सिंह बावा ने फाइनल में चौथा और निर्णायक गोल किया था। वहीं, ग्रुप चरण में स्पेन के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने भारत के लिए पहला गोल किया, जिससे टीम ने 2-0 से जीत दर्ज की और अपराजित रहते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

त्रिलोचन सिंह बावा भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मज़बूत स्तंभ थे। लम्बे और सशक्त फुल बैक के रूप में

विरोधियों के लिए उन्हें पार करना आसान नहीं था। भले ही वे ज्यादा ड्रिब्लिंग नहीं करते थे, लेकिन उनके पास शानदार स्कूप शॉट था जिससे खेल की दिशा बदल जाती थी। उनकी मेहनत और समर्पण ने ही आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित किया। उनके पोते राज अंगद सिंह बावा ने 2022 में भारत को अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। संयोग देखिए, त्रिलोचन सिंह बावा ने 1948 में ग्रेट ब्रिटेन को हराया था और उनके पोते ने 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में पांच विकेट झटके थे। पिता की इस उपलब्धि को याद करते हुए उनके बेटे सुखविंदर बावा ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, 'पिताजी हमेशा कहा करते थे कि 1948 में लंदन में गोल्ड मेडल जीतना भारतीय हॉकी और भारतीय खेल जगत के लिए एक बहुत बड़ा क्षण था।

हांगकांग सिक्सेस 2025 के लिए श्रीलंका की टीम घोषित, लाहिरु मदुशांका कप्तान

एजेंसी

हांगकांग। गत विजेता श्रीलंका ने हांगकांग सिक्सेस 2025 टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 7 से 9 नवंबर 2025 तक हांगकांग के टिन क्वोंग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में खेला जाएगा। श्रीलंका 2024 में शानदार जीत के बाद इस बार अपने खिताब की रक्षा करने उतरेगा। पिछले साल फाइनल में पाकिस्तान को हराकर श्रीलंका ने अपना दूसरा हांगकांग सिक्सेस खिताब जीता था। इस बार टीम पूल डी में बांग्लादेश और हांगकांग, चीन के खिलाफ ग्रुप चरण के मैच खेलेगी। लाहिरु मदुशांका को टीम का कप्तान बनाया गया है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाजी ऑलराउंडर ने घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम में धनंजय लक्षन भी शामिल हैं, जो बाएं हाथ से बल्लेबाजी और दाएं हाथ से तेज गेंदबाजी करते हैं और राष्ट्रीय स्तर पर अपना प्रभाव दिखा चुके हैं। दाएं हाथ के ओपनर थानुका दाबारे अपने दमदार घरेलू प्रदर्शन के साथ टीम में जगह बनाए हुए हैं। इसके अलावा 2023 एशियाई खेलों में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने वाले निमेश विमुक्ति टीम के स्पिन विभाग को मजबूती देंगे।

क्रिकेट हांगकांग, चीन की चेयरपर्सन बुरजी श्रॉफ ने कहा, 'श्रीलंका की टीम हमेशा हांगकांग सिक्सेस में जोश, स्टाइल और जज्बे के साथ उतरती है। गत विजेता के रूप में उनकी वापसी टूर्नामेंट में उत्साह को और बढ़ाती है। हमें उम्मीद है कि वे एक बार फिर वैसी ही ऊर्जा दिखाएंगे और इतिहास रचने का प्रयास करेंगे। लाहिरु समरकून, जिन्होंने 2023 एशियाई खेलों में टी20आई डेब्यू किया था, भी टीम का हिस्सा हैं। वहीं थरिंदु रत्नायके हाल ही में जून 2025 में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण कर चुके हैं। दाएं और बाएं दोनों हाथ से गेंदबाजी करने वाले इस गेंदबाज ने अपने पहले ही टेस्ट में छह विकेट लेकर सुर्खियां बटोरी थीं। लंका प्रीमियर लीग के स्टार सचिथा जयतिलका भी टीम में शामिल हैं। हांगकांग क्रिकेट सिक्सेस 2025 में कुल 12 टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें चार पूलों में बांटा गया है। श्रीलंका अपना पहला मुकाबला शुक्रवार, 7 नवंबर को हांगकांग, चीन के खिलाफ खेलेगा। गत विजेता होने के नाते श्रीलंका इस टूर्नामेंट में एक बार फिर अपने प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश करेगा। पांच ओवर प्रति पारी के इस रोमांचक छह-सदस्यीय प्रारूप में तीन दिन तक तेज़-तर्रार क्रिकेट का रोमांच देखने को मिलेगा। श्रीलंका की पूरी टीम इस प्रकार है : लाहिरु मदुशांका (कप्तान), धनंजय लक्षन, थानुका दाबारे, निमेश विमुक्ति, लाहिरु समरकून, थरिंदु रत्नायके, सचिथा जयतिलका।

ब्रिसन फर्नांडिस बने एएफसी चैंपियंस लीग टू में गोल करने वाले पहले भारतीय, एफसी गोवा को अल-नास्त्र ने 1-2 से हराया

एजेंसी

फातोर्दा (गोवा)। भारतीय मिडफील्डर ब्रिसन फर्नांडिस ने इतिहास रचते हुए एएफसी चैंपियंस लीग टू में गोल करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। हालांकि उनके इस गोल के बावजूद एफसी गोवा को अपने घरेलू मैदान फातोर्दा के पंडित जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में सऊदी अरब के क्लब अल-नास्त्र के खिलाफ 1-2 से हार झेलनी पड़ी। मैच के शुरुआती 30 मिनट में ही अल-नास्त्र ने एंजेलो गेब्रियल और हारूने के गोल से 2-0 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, 41वें मिनट में ब्रिसन फर्नांडिस ने शानदार मूव बनाकर गोल दागा और गोवा को मुकाबले में वापसी दिलाई। इसके बाद दूसरे हाफ में गोवा ने जबरदस्त जुझारूपन दिखाया, लेकिन बराबरी का गोल नहीं कर सके। एफसी गोवा ने काउंटर-अटैक पर खेलने की रणनीति अपनाई थी, लेकिन गेंद पर कब्जा पाने के बाद उनके खिलाड़ी उतनी तेजी से अवसर नहीं बना पाए। ब्रिसन

फर्नांडिस के अलावा कोई भी खिलाड़ी गेंद को आगे ले जाकर खतरा पैदा नहीं कर सका। मुहम्मद नेमिल ने कोशिश की, लेकिन उन्हें मिडफील्ड में कई बार शारीरिक रूप से पछाड़ दिया गया।

बोरजा हरेरा और डेजन द्राज़िक भी विरोधी रक्षापंक्ति को चुनौती नहीं दे पाए, जिससे गोवा की हमलावर रणनीति बेअसर रही। कोच जॉर्ज जीसस की टीम ने पिछले 10 में से 9 मैच जीते थे और इस मैच में भी उन्होंने शानदार शुरुआत की। हालांकि, 2-0 की बढ़त लेने के बाद सऊदी टीम ने अपना दबाव कम कर दिया, जिसका फायदा गोवा ने उठाया और ब्रिसन ने गोल दाग दिया। दूसरे हाफ में अल-नास्त्र ने हालांकि ज्यादा आक्रामक खेल नहीं दिखाया, लेकिन अंततः तीन अंक अपने नाम कर लिए।

विदेशी खिलाड़ियों का निराशाजनक प्रदर्शन

एफसी गोवा के विदेशी खिलाड़ी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे।

जेवियर सिवेरियो चोट के कारण 24वें मिनट में ही बाहर हो गए।

डेजन द्राज़िक ने ब्रिसन को असिस्ट जरूर दिया, लेकिन खुद कोई बड़ा प्रभाव नहीं डाल पाए।

डेविड टिमोर और पोल मोरेनो भी मिडफील्ड और डिफेंस में संघर्ष करते नजर आए।

बोरजा हरेरा ने कुछ अच्छे कॉर्नर किक दिए, लेकिन रक्षात्मक जिम्मेदारी में चूक गए।

फुटबॉल प्रशंसक क्रिस्टियानो रोनाल्डो को मैदान पर देखने की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन उन्हें आराम दिया गया। बताया जा रहा है कि स्टेडियम की खराब पिच स्थिति को देखते हुए उन्हें जोखिम से बचाने के लिए नहीं खिलाया गया।

पीवीएल 2025ः बेंगलुरु को 3-1 से हराकर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची मुंबई मीटियर्स

एजेंसी

हैदराबाद। मुंबई मीटियर्स ने आरआर केबल प्राइम वॉलीबॉल लीग पावर्ड बाय स्कैपिया के लीग चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए बेंगलुरु टॉरपीडोज़ को 3-1 (15-13, 15-13, 18-20, 15-10) से हराया और अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। मुंबई के शुभम चौधरी को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इस जीत के साथ मुंबई मीटियर्स ने पहले सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है, जहां 24 अक्टूबर वह चौथे स्थान पर रहने वाली टीम से भिड़ेगी। वहीं, दूसरे स्थान पर रही बेंगलुरु टॉरपीडोज़ उसी दिन होने वाले दूसरे सेमीफाइनल में तीसरे स्थान पर काबिज टीम का सामना करेंगी। मुंबई ने मैच की शुरुआत से ही शानदार लय पकड़ी। सेटर ओम लाड ने मिड से खेल को संचालित करते हुए आक्रमण को धार दी। वहीं, मैथियास लॉफ्टेसनेस और शुभम चौधरी ने लगातार दमदार स्पाइक्स लगाकर बेंगलुरु की डिफेंस को मुश्किल में डाल दिया। बेंगलुरु की ओर से जिष्णु और मुजीब ने रक्षा में मजबूती दिखाई, लेकिन शुभम के सटीक शॉट्स ने मुंबई को शुरुआती बढ़त दिला दी।

बेंगलुरु की वापसी की कोशिश

टॉरपीडोज़ के लिए सेटर संदीप ने मैट वेस्ट की अनुपस्थिति में शानदार पास दिए और जोएल बेंजामिन ने कई बेहतरीन फिनिश किए। हालांकि, मुंबई के पेट्टर ओस्टविक ने सतर्क रहकर कई प्रभावशाली ब्लॉक्स लगाए। अमित गुलिया की आक्रामक स्पाइक्स ने बेंगलुरु पर दबाव बनाए रखा, फिर भी पेनरोज़ की जोरदार स्पाइक्स ने बेंगलुरु को एक सेट जीतने में मदद की। तीसरे सेट में हार के बाद मुंबई ने फिर जोरदार वापसी की। कार्तिक की सर्विस और ओम की स्मार्ट प्लेसमेंट ने टॉरपीडोज़ को दबाव में ला दिया। ओस्टविक ने मिड से लगातार ब्लॉक्स लगाए, जबकि ओम की धीमी सर्विस ने पेनरोज़ को भ्रमित किया।

इज़राइल के जिम्नास्टों को वीज़ा न देने पर इंडोनेशिया को आईओसी की फटकार

एजेंसी

लुसाने। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने इंडोनेशिया को कड़ी फटकार लगाई और कहा कि इज़राइल के खिलाड़ियों को वीज़ा न देने के कारण अब इंडोनेशिया से भविष्य में किसी भी ओलंपिक या उससे जुड़े आयोजन की मेजबानी पर बातचीत नहीं की जाएगी। दरअसल, जकार्ता में चल रही वर्ल्ड आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप (19 से 25 अक्टूबर) में इज़राइली खिलाड़ियों को हिस्सा लेने के लिए वीज़ा नहीं दिया गया। इसके खिलाफ इज़राइल जिम्नास्टिक फेडरेशन ने स्पोर्ट्स मध्यस्थता न्यायालय (सीएएस) में अपील की थी, लेकिन सीएएस ने इसे खारिज कर दिया। इसके चलते इज़राइल के खिलाड़ी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सके। आईओसी की कार्यकारी बोर्ड ने कहा

कि, 'सभी पात्र खिलाड़ी, टीमें और खेल अधिकारी बिना किसी भेदभाव के अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले सकें – यह मेज़बान देश की जिम्मेदारी है।'

आईओसी ने एक आधिकारिक बयान में भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए बड़ा कदम उठाते हुए घोषणा की कि ÷इंडोनेशिया की राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के साथ भविष्य में ओलंपिक खेलों, यूथ ओलंपिक, या किसी भी ओलंपिक आयोजन या सम्मेलन की मेजबानी पर कोई वार्ता नहीं की जाएगी, जब तक कि इंडोनेशियाई सरकार यह सुनिश्चित न करे कि वह सभी देशों के खिलाड़ियों और अधिकारियों को प्रवेश की अनुमति देगी। आईओसी ने यह सिफारिश भी की कि सभी अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघ इंडोनेशिया में किसी भी खेल आयोजन या बैठक की मेजबानी तब तक न करें जब तक सरकार आवश्यक गारंटी न दे दे। साथ ही, आईओसी ने इंडोनेशिया की एनओसी और इंटरनेशनल जिम्नास्टिक फेडरेशन को लुसाने स्थित मुख्यालय में बुलाया है ताकि इस पूरे मामले पर चर्चा की जा सके। इंडोनेशियाई सरकार ने कहा कि उसने फिलिस्तीन के समर्थन में इज़राइली जिम्नास्टों को वीज़ा देने से इनकार किया। जुलाई 2023 में, इंडोनेशिया ने वर्ल्ड बीच गेम्स की मेजबानी से हाथ खींच लिया था क्योंकि इसमें इज़राइल की भागीदारी को लेकर विवाद हुआ था। मार्च 2023 में, दो प्रांतीय गवर्नरों के विरोध के बाद इंडोनेशिया से फीफा अंडर-20 वर्ल्ड कप की मेजबानी छीन ली गई थी। ये दोनों घटनाएं उस समय हुई थीं जब गाज़ा में इज़राइल और हमास के बीच युद्ध शुरू नहीं हुआ था।

अभिनव बिंद्रा को 2026 शीतकालीन ओलंपिक का मशालवाहक चुना गया

एजेंसी

नई दिल्ली। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा को अगले वर्ष होने वाले शीतकालीन ओलंपिक 2026 के लिए मशालवाहक के रूप में चुना गया है। यह खेल आयोजन 6 से 22 फरवरी, 2026 तक मिलान और कोर्टिना डी'अमपेत्जो (इटली) में आयोजित किया जाएगा। अभिनव बिंद्रा ने इस अवसर पर अपनी खुशी सोशल मीडिया पर व्यक्त करते हुए लिखा, ÷मिलानो कोर्टिना 2026 ओलंपिक टॉर्च रिले के लिए मशालवाहक के रूप में चुना जाना मेरे लिए वास्तव में सम्मान की बात है। ओलंपिक मशाल हमेशा मेरे दिल के करीब रही है – यह सपनों, दृढ़ता और खेलों के जरिए विश्व एकता का प्रतीक है। इसे फिर से लेकर चलना मेरे लिए सम्मान और प्रेरणा दोनों है। इस अद्भुत सम्मान के लिए मिलानो

कोर्टिना 2026 का धन्यवाद। बिंद्रा ने 2008 बीजिंग ओलंपिक में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता था। यह चौथा अवसर होगा जब इटली शीतकालीन ओलंपिक की मेज़बानी करेगा। इस बार के संस्करण में 16 विधाओं में कुल 116 पदक स्पर्धाएं होंगी, जो बीजिंग 2022 की तुलना में 7 इवेंट और 1 नई विधा अधिक हैं।

नोवाक जोकोविच ने पेरिस मास्टर्स से नाम वापस लिया

एजेंसी

पेरिस। विश्व टेनिस के महान खिलाड़ियों में शुमार सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने अगले सप्ताह होने वाले पेरिस मास्टर्स से हटने की घोषणा की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर उक्त घोषणा की। उन्होंने यह फैसला सिक्स किंग्स स्लैम प्रदर्शनी टूर्नामेंट के दौरान पैर में लगी चोट के चलते लिया है। 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच ने इस सीज़न में बहुत कम टूर्नामेंट खेले हैं। चारों ग्रैंड स्लैम के अलावा उन्होंने सिर्फ आठ एटीपी टूर इवेंट्स में हिस्सा लिया। 38 वर्षीय जोकोविच इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन, विंबलडन और यूएस ओपन- सभी चार ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल तक पहुंचे। मई अंत से सितंबर के अंत तक उन्होंने केवल उन्हीं तीन स्लैम टूर्नामेंट में भाग लिया। हाल ही में खेले गए शंघाई मास्टर्स में भी जोकोविच को हिप (कूल्हे) की समस्या से जूझना पड़ा था, जिसके चलते वह सेमीफाइनल में बाहर हो गए थे। जोकोविच पिछले हफ्ते सऊदी अरब में आयोजित सिक्स किंग्स स्लैम में शामिल हुए थे, जहां उन्हें शुरुआती राउंड में बाई मिली थी। पहले मैच में वह जानिक सिनर से हार गए और तीसरे स्थान के लिए टेलर फ्रिट्ज़ के खिलाफ मुकाबले में एक सेट खेलने के बाद चोट के कारण मैच छोड़ना पड़ा। जोकोविच ने पहले ही एटीपी फाइनल्स (9 से 16 नवंबर, ट्यूरिन, इटली) के लिए क्वालीफाई कर लिया है, लेकिन उन्होंने 2024 में यह टूर्नामेंट छोड़ दिया था। इस बार भी उनकी भागीदारी को लेकर अब संशय बढ़ गया है।

पीकेएल 12: तेलुगू टाइटंस को 45-34 से हराकर हरियाणा स्टीलर्स ने प्लेऑफ की राह आसान की

एजेंसी

नई दिल्ली। विनय तेवतिया के 11 अंकों और डिफेंस की शानदार टीमवर्क के दम पर हरियाणा स्टीलर्स ने त्यागराज इंडोर स्टेडियम में खेले गए प्रो कबड्डी लीग सीजन-12 के 103वें मुकाबले में तेलुगू टाइटंस को 45-34 से हराकर शीर्ष-4 की दौड़ में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। इस जीत के साथ हरियाणा अब टॉप-4 में पहुंच गया है, हालांकि अन्य टीमों के बाकी मैचों के परिणाम उसकी स्थिति तय करेंगे। फिलहाल, शीर्ष-8 में उसका स्थान लगभग पक्का माना जा रहा है।

विनय और डिफेंस ने संभाली कमान

हरियाणा के लिए विनय तेवतिया ने 11 अंक, जबकि डिफेंस ने 14 अंक जुटाए। शिवम पटारे (8 अंक) ने भी उम्दा प्रदर्शन किया, लेकिन बीच मैच में चोटिल होकर बाहर होना पड़ा। इसके बाद हरियाणा की रक्षापंक्ति ने मैच पर पूरा नियंत्रण बना लिया और टीम को जीत तक पहुंचाया। यह मुकाबला दोनों टीमों का लीग चरण का अंतिम मैच था। इस जीत से हरियाणा ने 18 मैचों में नौवीं जीत दर्ज की, जबकि तीसरे स्थान पर मौजूद तेलुगू

टाइटंस को सीजन की आठवीं हार झेलनी पड़ी। टाइटंस के लिए भरत ने सर्वाधिक 16 अंक हासिल किए। मैच की शुरुआत में भरत ने दो मल्टी-पॉइंट रेड लगाकर टाइटंस को 5-3 की बढ़त दिलाई। टीम ने जल्द ही एक ऑलआउट लेकर स्कोर 10-4 किया। हालांकि हरियाणा ने तुरंत जवाब देते हुए कुछ अंक जुटाए और शिवम के मल्टीपॉइंटर के दम पर मैच में वापसी की। पहले क्वार्टर के अंत तक हरियाणा ने टाइटंस को दो खिलाड़ियों तक सीमित कर दिया और जल्द ही उन्हें ऑलआउट करते हुए 14-13 से बढ़त बना ली। लेकिन शिवम की चोट के बाद टाइटंस ने भरत की मदद से स्कोर 17-17 कर बराबरी हासिल कर ली। हाफटाइम तक हरियाणा 21-20 की मामूली बढ़त के साथ आगे रही। हाफटाइम के बाद हरियाणा ने आक्रामक खेल दिखाया। मयंक और नीरज की सटीक टैकलिंग से टीम ने दूसरा ऑलआउट हासिल किया और स्कोर 30-24 कर लिया। इसके बाद डिफेंस ने लगातार भरत और विजय को आउट कर टाइटंस पर दबाव बनाए रखा। तीसरे क्वार्टर के अंत तक हरियाणा 34-26 से आगे थी। अंतिम क्वार्टर में विनय और धनश्याम की सफल रेड्स ने अंतर बढ़ा दिया। हरियाणा ने निर्णायक समय में तीसरा ऑलआउट लिया और मैच को 45-34 से अपने नाम कर लिया।

इस जीत के साथ हरियाणा स्टीलर्स ने न केवल अपनी प्लेऑफ की उम्मीदें मजबूत कीं, बल्कि अपने समर्थकों को भी जश्न मनाने का मौका दिया। दूसरी ओर, टाइटंस के लिए यह हार शीर्ष-2 की दौड़ में झटका साबित हुई।

पारेषण सुधारों से 200 गीगावाट से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का होगा विकास

एजेंसी

नई दिल्ली। बिजली पारेषण व्यवस्था के मोर्चे पर सुधार की 2.4 लाख करोड़ रुपये की योजना के माध्यम से सरकार देश में पांच लाख मेगावाट बिजली के लिए मजबूत पारेषण नेटवर्क की कल्पना कर रही है। पारेषण प्रणाली में सुधार के जरिये नवीकरणीय ऊर्जा-समृद्ध राज्यों को बिजली की बड़ी मांग वाली जगहों से जोड़ा जायेगा। नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा कि सरकार हरित ऊर्जा गलियारों और राजस्थान, गुजरात और लद्दाख से नयी उच्च क्षमता वाली पारेषण लाइनों के माध्यम से पारेषण बुनियादी ढांचे में निवेश को प्राथमिकता दे रही है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने 2030 तक पांच लाख मेगावाट स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन क्षमता का लक्ष्य रखा है। मंत्रालय का कहना है कि ट्रांसमिशन में सुधार की ये परियोजनाएं कई वर्षों में पूरी होंगी, लेकिन एक बार चालू होने पर ये दो लाख मेगावाट से अधिक नयी नवीकरणीय क्षमता जोड़ेंगी। इस प्रकार वर्तमान चरण अस्थायी है - एक संक्रमणकालीन अंतराल है, न कि एक संरचनात्मक सीमा है। मंत्रालय के अनुसार, साल 2030 स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को कार्यनीति स्तर पर स्थायित्व के साथ आगे बढ़ाने के लिए ग्रिड, वित्तीय प्रणालियों और बाजार डिजाइन के साथ नवीकरणीय ऊर्जा का समन्वयन किया जा रहा है। विज्ञप्ति के अनुसार, सरकार ने पहले ही एचवीडीसी कॉरिडोर बनाने और अंतर-क्षेत्रीय पारेषण क्षमता को वर्तमान 120 गीगावाट (1.2 लाख मेगावाट) से बढ़ाकर साल 2027 तक 1.43 लाख मेगावाट तथा 2032 तक 1.68 लाख मेगावाट करने की योजना बना ली है।

एयरटेल के निदेशक शिवन भार्गव ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। देश की अग्रणी दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल के निदेशक (कस्टमर एक्सपेरियंस) शिवन भार्गव ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है और तीन-चार महीने बाद वह कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधन का हिस्सा नहीं रहेंगे। श्री भार्गव ने भारती एयरटेल लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शाश्वत शर्मा के नाम सौंपे अपने इस्तीफे में लिखा है कि वह 'संगठन के बाहर अपने पेशेवर लक्ष्यों की तलाश' के लिए उत्सुक हैं, और इसलिए पद छोड़ रहे हैं। उन्होंने दो बार में कंपनी के साथ 15 साल के अपने जुड़ाव का जिक्र करते हुए कहा कि एक टीम के रूप में उन्होंने जो काम किया है उसके लिए वह काफी गौरवान्वित हैं।

वधावन बंदरगाह परियोजना की समीक्षा पर उच्च स्तरीय बैठक

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के पालघर में वधावन बंदरगाह के निर्माण कार्य की प्रगति पर केंद्र सरकार के तीन मंत्रियों की अगुवाई में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि उन्होंने, और जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वधावन बंदरगाह परियोजना पर एक बैठक की। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब उच्चतम न्यायालय ने पिछले सप्ताह ही इस बंदरगाह के निर्माण कार्य पर अस्थायी रोक लगाने संबंधी याचिका खारिज कर दी थी। यह याचिका कुछ स्थानीय कंपनियों द्वारा दायर की गयी थी। बंदरगाह का निर्माण जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह प्राधिकरण द्वारा किया जा रहा है। वधावन पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया था कि शीर्ष अदालत के फैसले के बाद परियोजना का निर्माण कार्य फिर से शुरू हो गया है। श्री गोयल ने एक्स पर बताया कि आज की बैठक में परियोजना के विभिन्न पहलुओं पर विचार किया गया ताकि समय पर इसे पूरा किया जा सके। उन्होंने लिखा कि यह बंदरगाह रोजगार के अवसर पैदा करने और वैश्विक सामुद्रिक व्यापार के मार्ग विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा।

आयात कम करने के दबाव के बीच रूस की हिस्सेदारी घटने से भारत की कच्चे तेल की लागत बढ़ी, रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2026 में अब तक दुबई बेंचमार्क की तुलना में भारत की औसत कच्चे तेल की आयात लागत में तेजी से वृद्धि हुई है। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने अपनी ताजा रिपोर्ट में यह बात कही है। ब्रोकरेज ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत के तेल बास्केट में रूसी कच्चे तेल की हिस्सेदारी में गिरावट आई है। रिपोर्ट के अनुसार वैकल्पिक कच्चे तेल के अधिक महंगा होने के कारण प्रीमियम भी ऊंचा रह सकता है और रिफाइनरों की लागत पर असर पड़ सकता है। कोटक के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में भारत की औसत तेल आयात लागत दुबई क्रूड की तुलना में लगभग 5 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल अधिक है। यह लागत हाल के वर्षों में सबसे अधिक है। रिपोर्ट में इस इजाफे का कारण रूसी तेल का सस्ता होना, अन्य देशों से तेल का आयात महंगा होना।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में भाई दूज के दिन भी गिरावट का रुख बना हुआ है। सोने की कीमत में आज लगातार चौथे दिन गिरावट दर्ज की गई है। आज के कारोबार में सोना 4,300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 4,690 रुपये प्रति 10 ग्राम तक टूट गया है। वहीं, चांदी आज 4 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गया है। कीमत में हुई इस कमी की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,25,880 रुपये से लेकर 1,26,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,15,390 रुपये से लेकर 1,15,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में बड़ी गिरावट के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज

1,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,26,030 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,15,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,25,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,15,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,25,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,15,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,25,880 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,15,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,25,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,15,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,26,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,15,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

दशहरा-दीपावली से ऑटो सेक्टर में आया बंपर बूस्ट, नागपुर में एक माह में 15 हजार वाहनों की रिकॉर्ड बिक्री, ईवी की डिमांड बढ़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। एक ही माह में दशहरा और दीपावली होने का बंपर लाभ ऑटो सेक्टर को मिला है। जीएसटी कम होने से भी खरीदारों की मानसिकता सकारात्मक हुई है। विदर्भ ऑटोमोबाइल डीलर एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुज पांडे ने बताया कि अक्टूबर माह में तीनों आरटीओ मिलाकर अब तक 14,987 वाहनों की बिक्री हो चुकी है, जो एक बहुत अच्छा संकेत है। डीलरों को उम्मीद है कि वाहनों की कीमतों में कमी आने से यह ट्रेंड आगे भी जारी रहेगा। ऑटो डीलरों की मानें तो इस महीने ने काफी 'ग्रोथ' दी है, जिसमें टू-व्हीलर से लेकर फोर-व्हीलर तक की अच्छी खासी वृद्धि देखने को मिली है। इस पूरे वर्ष को देखें तो नागपुर में तीनों आरटीओ मिलाकर बिक्री का आंकड़ा एक लाख से ऊपर पहुंच गया है।

चालू वर्ष में अब तक 1,29,882 वाहनों की बिक्री हो चुकी है। आरटीओ के आंकड़े बताते हैं कि नागपुर में वाहनों की संख्या 24,78,780 तक पहुंच चुकी है, यानी लगभग हर दूसरे वयस्क के पास वाहन उपलब्ध है। हालांकि इलेक्ट्रिक वाहनों (EV) की बिक्री में नागपुर में बढ़ोतरी दर्ज की गई है, लेकिन अभी भी पेट्रोल वाहनों का जलवा कायम है। डीलर अभी भी कई पेंडिंग बुकिंग को डिलीवरी देने की तैयारी में हैं, जिसके कारण आरटीओ रजिस्ट्रेशन का आंकड़ा आने वाले दिनों में और अधिक बढ़ेगा। डीलरों के अनुसार, वाहनों की आपूर्ति अभी भी एक मुख्य समस्या बनी हुई है, जिसके लिए लोगों को इंतजार करना पड़ रहा है।

एप्पल ने 2025 की जुलाई-सितंबर तिमाही में भारत को रिकॉर्ड 49 लाख आईफोन भेजे

एजेंसी

नई दिल्ली। टेक कंपनी एप्पल ने अपनी नई आईफोन 17 सीरीज की सफलता और त्योहारी सीजन की मांग के बल पर भारत में अपनी अब तक की सबसे अधिक तिमाही शिपमेंट दर्ज की। कंपनी ने 2025 की जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान देश में कुल 49 लाख स्मार्टफोन भेजे।रिसर्च फर्म ओमडिया शिपमेंट का यह आंकड़ा सालाना आधार पर 47 प्रतिशत की वृद्धि के साथ भारतीय बाजार में एप्पल के अब तक के सबसे मजबूत प्रदर्शन को दर्शाता है। इसके अलावा, इस तिमाही में एप्पल के कुल ग्लोबल आईफोन शिपमेंट में भारत का हिस्सा 9 प्रतिशत रहा,जो देश के लिए अब तक का सबसे बड़ा हिस्सा है। यह कंपनी की वैश्विक रणनीति में भारत के बढ़ते महत्व को दर्शाता है। 9 सितंबर को आईफोन 17 सीरीज के लॉन्च ने रिकॉर्ड बिक्री में अहम भूमिका निभाई। नए लाइनअप में कई बड़े कैमरा अपग्रेड शामिल हैं, जिनमें 48 मेगापिक्सल फ्यूजन मेन कैमरा और 48 मेगापिक्सल फ्यूजन अल्ट्रा-वाइड लेंस और प्रो-मोशन के साथ 6.3-इंच सुपर रेटिना एक्सडीआई डिस्प्ले शामिल है। इस डिवाइस में बेहतर परफॉर्मेंस के लिए नया ए19 चिप और

सिरेमिक शील्ड 2 तकनीक भी है, जो तीन गुना बेहतर स्क्रैच रेजिस्टेंस प्रदान करती है। एप्पल द्वारा इस साल भारत में अपनी अब तक की सबसे अधिक त्यौहारी तिमाही दर्ज करने की उम्मीद है, विश्लेषकों का अनुमान है कि आईफोन 17 सीरीज की शुरुआती लोकप्रियता के कारण पिछले वर्ष की तुलना में बिक्री में 28 प्रतिशत की वृद्धि होगी। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-सितंबर अवधि में एप्पल ने लगभग 10 बिलियन डॉलर (88,500 करोड़ रुपए से अधिक) मूल्य के आईफोन निर्यात किए, जो उद्योग के अनुमानों के अनुसार, पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 75 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। यह सफलता सरकार की 'मेक इन इंडिया' और उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं के मजबूत प्रचार को दर्शाती है, जिसने एप्पल को तमिलनाडु और कर्नाटक में उसके मैन्युफैक्चरिंग बेस का विस्तार करने के लिए प्रोत्साहित किया है।

गेहूं, चीनी में तेजी; चावल नरम; दालों-खाद्य तेलों में घट-बढ़

एजेंसी

नयी दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के औसत भाव घट गये। वहीं गेहूं और चीनी में तेजी रही जबकि दालों तथा खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया।

विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जनवरी वायदा 51 रिंगिट टूटकर 4,454 रिंगिट प्रति टन रह गया। अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 50.80 डॉलर के भाव बोला गया।

घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत चार रुपये घटकर 3,882.74 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। वहीं, गेहूं 24 रुपये की मजबूती के साथ 2,884.67 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। आटे की कीमत 22 रुपये बढ़कर 3,346.82 रुपये प्रति क्विंटल रही।

खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव रहा। मूंगफली तेल की औसत कीमत 101 रुपये और सूरजमुखी तेल की 82 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। पाम ऑयल में भी 31 रुपये और सोया तेल

में 35 रुपये प्रति क्विंटल की मजबूती देखी गयी। सरसों तेल 20 रुपये और वनस्पति 29 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। दाल-दलहनों में चना दाल की औसत कीमत 17 रुपये और उड़द दाल की 64 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। मसूर दाल भी 12 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। तुअर दाल 25 रुपये और मूंग दाल चार रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुई।

गुड़-चीनी: मीठे के बाजार में आज गुड़ की औसत कीमत तीन रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी। हालांकि चीनी चार रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।

भारतीय निवेशकों को ग्लोबल म्यूचुअल फंड से मिला 72 प्रतिशत तक का तगड़ा रिटर्न

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू इक्विटी से परे अवसरों की तलाश करने वाले भारतीय निवेशकों को पिछले एक वर्ष में महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त हुए है, जिसमें कई अंतरराष्ट्रीय म्यूचुअल फंड और फंड-ऑफ-फंड (एफओएफ) ने 72 प्रतिशत तक का शानदार रिटर्न दिया है।टेक्नोलॉजी, एआई, उपभोक्ता खर्च और कमोडिटीज द्वारा संचालित वैश्विक तेजी के कारण इन फंड ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली भारतीय इक्विटी कैटेगरी को भी पीछे छोड़ दिया। एसीई म्यूचुअल फंड के 20 अक्टूबर तक के आंकड़ों के अनुसार, टॉप 10 अंतरराष्ट्रीय फंडों ने एक वर्ष का रिटर्न 33 प्रतिशत से 72 प्रतिशत के बीच दिया।

इसकी तुलना में, इसी अवधि के दौरान बेंचमार्क निफ्टी केवल 5.7 प्रतिशत बढ़ा। मिराए एसेट एनवाईएसई फैंग प्लस ईटीएफ एफओएफ 71.78 प्रतिशत के शानदार एक साल के रिटर्न और 62.72 प्रतिशत के तीन साल के रिटर्न के साथ लिस्ट में टॉप पर रहा। इसके बाद इन्वेस्को ग्लोबल कंज्यूमर ट्रेंड्स एफओएफ रहा, जो ग्लोबल कंज्यूमर ब्रांड और डिजिटल कॉमर्स कंपनियों के मजबूत प्रदर्शन का लाभ उठाते हुए 52.65 प्रतिशत बढ़ा।

अमेरिका-केंद्रित व्यापक रणनीतियों ने भी महत्वपूर्ण लाभ दर्ज किया। मिराए एसेट एसएंडपी 500 टॉप 50 ईटीएफ एफओएफ ने 49.91 प्रतिशत रिटर्न दिया, जबकि मोतीलाल ओसवाल नैस्डैक 100 एफओएफ ने एक वर्ष में 42.48 प्रतिशत रिटर्न दिया।

डीएसपी वर्ल्ड माइनिंग ओवरसीज इक्विटी एफओएफ में 32.83 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसे ग्लोबल कमोडिटी की उच्च कीमतों और प्रमुख खनन कंपनियों के बीच बेहतर पूंजी अनुशासन का समर्थन मिला। कुल मिलाकर, ग्लोबल डायवर्सिफिकेशन ने इस वर्ष भारतीय निवेशकों को स्पष्ट रूप से लाभ पहुंचाया है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजारों विशेष रूप से एआई, टेक्नोलॉजी और संसाधनों द्वारा संचालित बाजारों ने घरेलू इक्विटी की तुलना में कहीं अधिक मजबूत रिटर्न दिया है।

इस बीच, पिछले दो सत्रों में भारी गिरावट के बाद, सोमवार के रिकॉर्ड उच्च स्तर से निवेशकों द्वारा मुनाफावसूली के कारण सोने और चांदी की कीमतें क्रमशः 4,050 और 48 डॉलर प्रति औंस के आसपास स्थिर हो गईं।

विशेषज्ञों ने कहा, यह गिरावट अमेरिका-भारत व्यापार संबंधों को लेकर आशावाद के बीच जोखिम वाली संपत्तियों की ओर रुझान को दर्शाती है, जिससे सोने की सुरक्षित निवेश मांग कमजोर हुई है। भारत में मौसमी मांग में भी कमी आई है, जिससे फिजिकल मार्केट पर दबाव बढ़ा है।

दुबई इस्लामिक बैंक का एआई नवाचार के लिए एचसीएल से करार

एजेंसी

नई दिल्ली। दुबई इस्लामिक बैंक (डीआईबी) ने अपने कार्यप्रणाली में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को शामिल करने के लिए भारत की अग्रणी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी एचसीएल टेक्नोलॉजीज के साथ करार किया है। एचसीएल टेक्नोलॉजीज ने शेयर बाजार को बताया कि दुनिया के पहले इस्लामिक बैंक ने जीआईटेक्स ग्लोबल 2025 में इस साझेदारी की घोषणा की है। इसका लक्ष्य अपने ग्राहकों को व्यक्तिगत स्तर पर खास अनुभव प्रदान करना, निर्णय लेने की प्रक्रिया को बेहतर बनाना, प्रक्रियाओं में सुधार और जोखिम तथा अनुपालना ढांचे को मजबूती प्रदान करना है।डीआईबी के मुख्य परिचालन अधिकारी ओबैद

अल शमसी ने कहा कि बैंक के लिए नवाचार हमेशा से उसके उद्देश्य और जिम्मेदारी का हिस्सा रहा है। एचसीएल से साथ यह साझेदारी एआई आधारित भविष्य को साकार करने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है। एचसीएल टेक्नोलॉजीज के पश्चिम एशिया प्रमुख विनीत शुक्ला ने कहा,एचसीएल टेक के फुल-स्टैक एआई पोर्टफोलियो और इस क्षेत्र के लंबे अनुभव की मदद से हम डीआईबी के लिए नवाचार के द्वार खोलने, परिचालन की दक्षता बढ़ाने और ग्राहकों के लिए विशेष अनुभव प्रदान करने की उम्मीद करते हैं।

भारत की विनिर्माण प्रोत्साहन नीति पर चीन की आपत्ति, डब्ल्यूटीओ में परामर्श प्रक्रिया चालू

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने वाहन और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में भारत की विनिर्माण प्रोत्साहन नीति पर चीन की कुछ आपत्तियों को लेकर विवाद निपटान फोरम में 'परामर्श' की कार्रवाई शुरू की है। डब्ल्यूटीओ ने कहा कि चीन ने भारत में उन्नत रसायन सेल बैटरियों, वाहनों और वाहनों के कल-पुर्जों तथा इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सरकारी प्रोत्साहन जैसे उपायों पर 'परामर्श' किये जाने की अपील की थी। चीन का यह अनुरोध 15 अक्टूबर को भारत को भेज दिया गया था और 20 अक्टूबर को इस मुद्दे पर 'परामर्श' के लिए विवाद निपटान फोरम को सक्रिय कर दिया गया है। चीन का मानना है कि भारत के ये उपाय आयातित की तुलना में घरेलू उत्पादन के उपयोग को प्रोत्साहित करने की नीति पर आधारित हैं और इनके माध्यम से चीनी उत्पादों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। चीन ने भारत के इन उपायों को सब्सिडी एवं प्रतिपूरक उपायों, व्यापार से संबंधित निवेश के उपायों तथा प्रशुल्क एवं व्यापार पर सामान्य समझौते (गैट) 1994 के विभिन्न प्रावधानों का उल्लंघन बताया है। उल्लेखनीय है कि डब्ल्यूटीओ के सदस्य देश किसी देश की व्यापार नीति से असहमत होने पर उसको लेकर 'परामर्श के लिए अनुरोध' करते हैं। समाधान के लिए संगठन उस पर संबंधित पक्षों के बीच पहले परामर्श की प्रक्रिया शुरू करवाता है।

संगठन के विवाद निपटान फोरम के तहत 'परामर्श की प्रक्रिया' का उद्देश्य संबंधित पक्षों को आपस में चर्चा कर के मामले का हल खोजने का अवसर प्रदान करना होता है ताकि मुकदमा आगे न बढ़ाना पड़े। परामर्श के लिए 60 दिन का समय दिया जाता है और आपस में सहमति न बनने पर शिकायतकर्ता किसी समिति के जरिये विवाद पर निर्णय कराये जाने का अनुरोध कर सकता है। भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाएं शुरू की हैं। इनमें एक योजना उन्नत रसायन सेल (एसीसी) बैटरी भंडारण पर राष्ट्रीय कार्यक्रम (पीएलआई एसीसी) भी है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत में एसीसी बैटरियों के लिए विशाल पैमाने पर विनिर्माण सुविधाओं की स्थापना को प्रोत्साहित करना है, जिसमें अधिकतम घरेलू मूल्यवर्धन प्राप्त करने पर ज़ोर दिया जायेगा। इसी तरह सरकार वाहन और वाहनों के कल-पुर्जे के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआई ऑटो योजना) और इलेक्ट्रिक यात्री कारों के विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना (ईवी यात्री कार योजना) भी चला रही है। ये कार्यक्रम मेक इन इंडिया पहल को आगे बढ़ाते हैं ताकि दुनिया भर से निवेश आकर्षित किया जा सके और घरेलू विनिर्माण क्षेत्र को मजबूत किया जा सके।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की उम्मीद में शेयर बाजारों में रिकॉर्ड-तोड़ तेजी

एजेंसी

मुंबई। अमेरिका के साथ व्यापार समझौता जल्द होने की उम्मीद में घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को शुरुआती कारोबार में रिकॉर्ड-तोड़ तेजी देखी गयी और बीएसई का सेंसेक्स पहली बार 85,000 तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक पहली बार 26 हजार अंक के पार पहुंच गया। सेंसेक्स 727.81 अंक उछलकर 85,154.15 अंक पर खुला। खबर लिखे जाते समय यह 752.53 अंक (0.89 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 85,178.87 अंक पर था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 188.60 अंक की तेजी के साथ 26,057.20 अंक पर खुला। खबर लिखे जाते समय यह 218.75 अंक यानी 0.85 फीसदी ऊपर 26,087.35 अंक पर था। मीडिया में खबर आयी थी कि अमेरिका

के साथ भारत का व्यापार समझौता जल्द होने वाला है और भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका द्वारा लगाया गया आयात शुल्क 50 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत के आसपास होने की उम्मीद है। इस खबर का असर गुरुवार को शुरू से ही बाजार पर दिखा। आईटी, एफएमसीजी, बैंकिंग और धातु सेक्टरों में सबसे अधिक तेजी रही। अन्य सेक्टरों के सूचकांक भी हरे निशान में रहे। फिलहाल सेंसेक्स की बढ़त में इंफोसिस, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और आईटीसी का योगदान सबसे अधिक था।

सस्ते आयात और डंपिंग से इस्पात क्षेत्र को नुकसान, नीतिगत समर्थन जरूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के इस्पात क्षेत्र को 2023-24 और 2024-25 के दौरान प्रमुख वैश्विक स्टील उत्पादकों के सस्ते आयात एवं डंपिंग के कारण भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। आरबीआई ने अक्तूबर बुलेटिन में प्रकाशित लेख में कहा, अंतराष्ट्रीय बाजार में कीमतें कम होने के कारण इस्पात आयात में बढ़ोतरी देखी गई है। 2023-24 में भारत के इस्पात आयात में 22 फीसदी की वृद्धि दर्ज की। आयात वृद्धि से इससे घरेलू इस्पात उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। ऐसे में घरेलू इस्पात उत्पादन की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत समर्थन की जरूरत है। स्टील अंडर सीजः अंडरस्टैंडिंग द इम्पैक्ट ऑफ डंपिंग ऑन इंडिया शीर्षक वाले लेख में कहा गया है, वैश्विक उत्पादकों के सस्ते इस्पात की डंपिंग से घरेलू इस्पात उत्पादन को खतरा हो सकता है। हालांकि, इसे उपयुक्त नीतिगत उपायों से कम किया जा सकता है। हाल ही में सुरक्षा शुल्क लगाने की पहल इस्पात आयात डंपिंग के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करती है। भारत ने खपत मांग को पूरा करने के लिए इस्पात उत्पादों का आयात किया। देश के लौह एवं इस्पात आयात में 2024-25 की पहली छमाही में 10.7 फीसदी की वृद्धि रही। वहीं, 2024-25 की दूसरी छमाही में कमी दर्ज की गई, जिसका मुख्य कारण रक्षोपाय शुल्क था।

भारत स्वस्थ विकास और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिये प्रतिबद्धः पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जिनेवा में बुधवार से शुरू हुये संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (अंकटाड) में भारत की विकास यात्रा को एक आदर्श के रूप में प्रस्तुत करते हुए कहा कि देश अपने विकास के लक्ष्यों को पूरा करने के साथ साथ स्वस्थ विकास और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने की अपनी राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं पर मजबूती से काम कर रहा है। श्री गोयल ने 20-23 अक्टूबर तक आयोजित अंकटाड के 16वें सम्मेलन के एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने गरीबी उन्मूलन, मांग-आधारित विकास और बुनियादी ढाँचे के विकास हेतु केंद्रित प्रयासों पर विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने भारत की विकास यात्रा को एक आदर्श मॉडल के रूप में प्रस्तुत करते हुए कहा कि देश स्वस्थ विकास और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिये प्रतिबद्ध है। श्री गोयल ने कहा कि विश्व के लिये आर्थिक वृद्धि के समावेशी परिणाम सुनिश्चित करने और इसके लिए नये नये समाधान खोजे जाने की जरूरत है। वाणिज्य मंत्री ने दक्षिणी गोलार्ध के विकासशील देशों के बीच सहयोग के महत्व पर बल देते हुये कहा कि विकास के प्रयासों में व्यापार की भूमिका एक महत्वपूर्ण उपकरण की है। डिजिटल विभाजन के अंतराल को कम करने के मुद्दे पर श्री गोयल ने डिजिटल सशक्तिकरण और समाज के सभी वर्गों में विकास को बढ़ावा देने की पहलों में भारत की उल्लेखनीय प्रगति का उल्लेख किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, साथ ही, मैंने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास, सबका विश्वास' और 'वसुधैव कुटुम्बकम' के भारत के दृष्टिकोण के बारे में भी बात की, ठोस, दीर्घकालिक समाधानों की आवश्यकता और व्यापार-आधारित विकास एवं सतत विकास को आगे बढ़ाने में संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास (अंकटाड) की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर दिया।

श्री गोयल ने कहा कि पिछले तीन वर्षों से भारत के सकल घरेल उत्पाद में वर्ष प्रति वर्ष 7 प्रतिशत से अधिक की औसत दर से वृद्धि हो रही है और देश सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था है। भारत हर आठ साल में अपनी अर्थव्यवस्था को दोगुना कर रहाहै। पिछले दशक में करोड़ों लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है जो मध्य वर्ग में शामिल हो कर आय और माँग को बढ़ावा दे रहे हैं। श्री गोयल ने स्वस्थ विकास की राह पर भारत की नेतृत्वकारी भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि इस समय देश में बिजली की आधी जरूरत नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से आती है। वर्तमान स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन क्षमता 250 गीगावाट (2.5 लाख मेगावाट) है और 2030 तक इसे 5,00,000 मेगा वाट करने का लक्ष्य है। भारत जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के विरुद्ध उपाय कर रहा है। दुनिया की 17 प्रतिशत आबादी की संभालने के बावजूद वैश्विक उत्सर्जन के केवल 3.5 प्रतिशत के लिए भारत जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि विकसित देशों ने पेरिस समझौते की प्रतिबद्धताओं को पूरा नहीं किया है, जिसमें 100 अरब डॉलर की सस्ती दर वाली दीर्घकालिक कर्ज सहायता और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की प्रतिबद्धताएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन का बोझ दूसरे पर डालने या व्यापार में पर्यावरणीय शर्तों का लगाया जाना भारत को स्वीकार्य नहीं है। श्री गोयल ने सतत विकास के लिए एक समर्पित दृष्टिकोण पर ज़ोर दिया। इसमें अनुकूलित, कार्यान्वयन योग्य समाधान शामिल हैं। श्री गोयल ने वास्तविक समाधानों के लिए विकासशील देशों के बीच सहयोग का आह्वान करते हुए कहा कि महत्वपूर्ण खनिजों तक पहुँच, उर्वरक और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन जैसे क्षेत्र इसमें शामिल हो सकते हैं।

रूस का नया परमाणु सैन्य अभ्यास आंरभ

एजेंसी

मॉस्को। रूस ने यूक्रेन संकट के बीच अपनी परमाणु क्षमताओं का परीक्षण करने के लिए बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास शुरू किया। यह अभ्यास राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच प्रस्तावित शिखर सम्मेलन के स्थगित होने के तुरंत बाद शुरू हुआ है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने यहां बताया कि अभ्यास में बम वर्षक विमान, पनडुब्बियां और मोबाइल लॉन्चर शामिल हैं। इनका उद्देश्य परमाणु हथियारों की तैनाती और इनकी 'जवाबी प्रतिक्रिया' प्रणाली की जांच करना है। मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा, 'यह नियमित अभ्यास है, जो हमारी रक्षा क्षमता को मजबूत रखने के लिए जरूरी है।' यह अभ्यास बाल्टिक सागर और आर्कटिक क्षेत्र में हो रहा है, जहां 10,000 से ज्यादा रूसी सैनिक इसमें हिस्सा ले रहे हैं। गौरतलब है कि पुतिन-ट्रंप शिखर सम्मेलन को यूक्रेन पर रूसी हमलों के कारण टाल दिया गया था। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को कहा कि बैठक तब तक स्थगित रहेगी जब तक हिंसा नही रूकती । ट्रंप ने भी 'एक्स' पर लिखा, 'पुतिन के साथ बातचीत शांति के लिए है, लेकिन इससे पहले हमारी सुरक्षा है।' इस बीच रूस ने साफ किया है कि उसके अभ्यास शांतिपूर्ण हैं। हालांकि उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो)ने इस रूसी अभ्यास पर नजर रखने का ऐलान किया। एक नाटो अधिकारी ने चेतावनी दी, यह कदम तनाव बढ़ा सकता है। हम सतर्क हैं।

बलोचिस्तान में छह विद्रोहियों और दो पुलिसकर्मियों की मौत

क्वेटा। पाकिस्तान में बलोचिस्तान प्रांत के दलबंदिन में सुरक्षा बलों ने फ़ितना अल-हिंदुस्तान संगठन के छह विद्रोहियों को मार गिराने का दावा किया है। इस बीच प्रांत के ही नुश्की जिले में कुछ अज्ञात बंदूकधारियों के एक पुलिस चौकी पर किए गए हमले में दो पुलिसकर्मी मारे गए हैं। सूत्रों के अनुसार विद्रोहियों के क्षेत्र की एक गुफा में शरण लेने की खुफिया जानकारी के बाद खुफिया और टोही टीमों ने उस क्षेत्र की हवाई निगरानी की और विद्रोहियों को मार गिराया । उधर बाजौर में भी सुरक्षा बलों के एक अन्य अभियान में एक विद्रोही मारा गया। इस बीच प्रांत के ही नुश्की ज़िले के ग़रीबाबाद इलाके में कुछ अज्ञात हथियारबंद लोगों ने पुलिसकर्मियों पर हमला किया, जिसमें दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब पुलिसकर्मी नियमित गश्त पर थे और अचानक उन पर गोलीबारी की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हथियारबंद हमलावरों ने ग़रीबाबाद में पुलिसकर्मियों के वाहन पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें सिपाही रज़ाक और सिपाही अब्दुल्ला की मौके पर ही मौत हो गई। गोलीबारी के बाद हमलावर भागने में सफल रहे। पुलिस ने कहा कि यह हमला उग्रवाद या व्यक्तिगत प्रतिशोध से जुड़ा हो सकता है। अपराधियों की धरपकड़ के लिए जाँच शुरू कर दी गई है।

ईरान के चाबहार बंदरगाह की भंडारण क्षमता पचास फीसदी और बढ़ेगी

तेहरान। भारत के लिए रणनीतिक महत्व रखने वाले ईरान के चाबहार बंदरगाह की भंडारण क्षमता को पचास फीसदी और बढ़ाया जाएगा ताकि इससे क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को मजबूती मिल सकें। महत्वपूर्ण ईरान के परिवहन एवं शहरी विकास मंत्रालय के उप मंत्री तथा बंदरगाह एवं मैरीटाइम संगठन के प्रबंध निदेशक सईद रसूली ने मंगलवार को इस आशय की औपचारिक घोषणा की खबरों के मुताबिक शहीद बेहेश्ती बंदरगाह के बुनियादे ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं के अवलोकन के दौरान रसूली ने कहा, चाबहार में चल रही विकास और निर्माण परियोजनाओं में कुल सार्वजनिक और निजी निवेश 240 खरब रियाल यानि करीब अड़तालीस करोड़ डालर से अधिक पहुंच गया है जो आवश्यक वस्तुओं की भंडारण क्षमता में पचास फीसदी बढ़ोत्तरी का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। उन्होंने कहा कि एक साल के भीतर नए %मैकेनाइज्ड सिलो% और %कवर% वाले वेअरहाउस के चालू होने के बाद बंदरगाह की जरूरी वस्तुओं का भंडारण करने की क्षमता लगभग पचास प्रतिशत बढ़ेगी। यह विकास ईरान की खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने और देश की आपूर्ति नेटवर्क का सहयोग करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।रसूली ने चाबहार को एक विशाल निर्माण स्थल करार दिया जहां पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर लाजिस्टिक्स वेअरहाउसिंग और परिवहन सुविधाओं में बड़े निवेश हो रहे हैं। उन्होंने चाबहार जाहेदान रेलवे नेटवर्क का भी जिक्र किया जो बंदरगाह को ईरान के राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ेगा और अंतर्राष्ट्रीय नार्थ साउथ ट्रांसपोर्ट कारिडोर (आईएनएसटीसी) में इसकी स्थिति मजबूत करेगा।

युगांडा में भीषण सड़क दुर्घटना में 46 लोगों की मौत

कंपाला। उत्तरी युगांडा के गुलु के पास मंगलवार देर रात हुई एक भीषण सड़क दुर्घटना में कम से कम 46 लोगो की मौत होने की खबर है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने पहले इस हादसे में 63 लोगों के मारे जाने की आशंका जताई थी लेकिन अब 46 लोगों की मौत की पुष्टि की है। पुलिस ने बताया कि मंगलवार रात करीब बारह बजकर पन्द्रह मिनट पर गुलु-कंपाला हाईवे पर दो यात्री बसों और कई अन्य वाहनों के बीच टक्कर से यह हादसा हुआ। ऐसा उस समय हुआ जब एक बस ने दूसरी को ओवरटेक करने की कोशिश की। इस बीच युगांडा रेड क्रॉस के चिकित्सकों समेत बचाव दल ने रात भर दुर्घटना में घायल लोगों को क्षतिग्रस्त वाहनों से निकाला। दर्जनों घायल अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर के बाद वाहनों में आग लग गई और लोग लपटों में झुलस रहे थे और सड़क पर मलबा बिखरा पड़ा था।

बांग्लादेश में छात्र विद्रोह के दौरान हुए मानवता के विरुद्ध अपराध मामले में फैसला 13 नवंबर को

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-1 पिछले साल जुलाई-अगस्त में छात्र विद्रोह के दौरान मानवता के विरुद्ध हुए अपराधों से संबंधित मामले में 13 नवंबर को फैसला सुनाएगा। इस मामले में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और पूर्व गृहमंत्री असदुज्जमां खान कमाल सहित तीन लोग आरोपित हैं। न्यायाधिकरण में आज मुख्य अभियोजक मोहम्मद ताजुल इस्लाम और अटॉर्नी जनरल मोहम्मद असदुज्जमां ने अंतिम दलीलें पेश कीं। अभियुक्तों का प्रतिनिधित्व वकील मोहम्मद अमीर हुसैन ने किया। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-1 फैसला सुनाने की तारीख 13 नवंबर मुकर्रर की। ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार शेख हसीना और असदुज्जमां खान कमाल को फरार अभियुक्त बताया

गया है। इनकी पैरवी के लिए राज्य ने वकील (बचाव पक्ष) नियुक्त किए। मुख्य अभियोजक ने शेख हसीना समेत तीनों आरोपितों को अधिकतम सजा देने की मांग की है। बचाव पक्ष ने अपने मुवक्किलों को निर्दोष बताते हुए उन्हें बरी करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि गवाहों के बयान झूठे हैं। बचाव पक्ष ने पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून, दैनिक अमर देश के संपादक महमूदुर रहमान और राष्ट्रीय नागरिक पार्टी (एनसीपी) के संयोजक नाहिद इस्लाम आदि गवाहों के बयान खारिज कर दिए। बचाव पक्ष ने आरोप लगाया कि गवाह मामून दूसरों को फंसाकर बचने की कोशिश कर रहे हैं। बाद में, गवाह मामून के वकील जायद बिन अमजद ने अपनी दलील पेश की। पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून 10 जुलाई को आंदोलन के दौरान मानवता के विरुद्ध अपराधों की जिम्मेदारी स्वीकार करके सरकारी गवाह बन गए।

इसके फौरन बाद न्यायमूर्ति मोहम्मद गुलाम मुर्तुजा मजूमदार की अध्यक्षता वाले तीन सदस्यीय न्यायाधिकरण की पीठ ने तीनों आरोपितों के खिलाफ मानवता के विरुद्ध अपराध के पांच आरोप तय किए और बरी करने की याचिकाएं खारिज कर दीं। बताया गया है कि औपचारिक अभियोग पत्र 8,747 पृष्ठों का है। इसमें 2,018 पृष्ठों में संदर्भ, 4,005 पृष्ठों में साक्ष्य, और 2,724 पृष्ठों में पीड़ितों की सूची शामिल है।

अमेरिकी सेना ने प्रशांत महासागर में संदिग्ध ड्रग तस्करी पोत पर हमला किया

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी सेना ने रात प्रशांत महासागर के दक्षिण अमेरिकी तट के पास एक संदिग्ध ड्रग तस्करी पोत पर हवाई हमला किया। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि यह हमला अमेरिका की नई मादक पदार्थ विरोधी कार्रवाई के तहत किया गया है। अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि जब यह हमला किया गया, उस समय पोत पर कई लोग मौजूद थे, जिन्हें तस्कर होने का संदेह है। फिलहाल, अमेरिकी रक्षा विभाग ने इस अभियान के संबंध में विस्तृत जानकारी जारी नहीं की है। यह हमला हालिया महीनों में कैरेबियाई क्षेत्र में सात हवाई हमलों के बाद अमेरिकी सेना की प्रशांत क्षेत्र में पहली सैन्य कार्रवाई मानी जा रही है। इन हमलों से अमेरिका और वेनेजुएला तथा कोलंबिया के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, यह कार्रवाई उस समय हुई है जब अमेरिका ने कैरेबियाई सागर में अपनी सैन्य उपस्थिति को काफी बढ़ाया है। इस तैनाती में गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर, एफ-35 लड़ाकू विमान, एक परमाणु पनडुब्बी और करीब 6,500 सैनिक शामिल हैं। वहीं, कानूनी विशेषज्ञों ने इस अभियान पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि समुद्री कानून लागू करने की जिम्मेदारी यूएस कोस्ट गार्ड की होती है, न कि सेना की। विशेषज्ञों का मानना है कि तस्करी को रोकने के लिए घातक हमले से पहले अन्य उपायों का सहारा लिया जाना चाहिए था।अमेरिकी रक्षा सूत्रों के अनुसार, यह नया अभियान मादक पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला को बाधित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है, जिसमें कई देशों की खुफिया एजेंसियां सहयोग कर रही हैं।

अमेरिका ने रूस की बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका ने रूस की सबसे प्रमुख दो बड़ी तेल कंपनी रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगा दिए। यह घोषणा खुद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने दूसरे कार्यकाल में पहली बार रूस के खिलाफ प्रतिबंध लगाने का फैसला लेना पड़ा। प्रतिबंध लगाने की घोषणा बुडापेस्ट में दोनों नेताओं की मुलाकात की योजना के विफल होने के बाद की गई। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन पर मॉस्को के व्यापक आक्रमण के बाद से रूसी ऊर्जा क्षेत्र के विरुद्ध अमेरिका का यह सबसे महत्वपूर्ण कदम है। ट्रंप ने बुधवार को घोषणा की कि वह अपने दूसरे कार्यकाल में पहली बार रूस पर महत्वपूर्ण नए प्रतिबंध लगा रहे हैं। नए प्रतिबंधों की घोषणा ठीक उसी समय की गई जब राष्ट्रपति ओवल ऑफिस में नाटो के महासचिव मार्क रूट के साथ बैठे। रूट यूरोपीय नेताओं के एक गठबंधन की ओर से ट्रंप से मिलने वाशिंगटन आए थे।

अमेरिकी वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट ने एक बयान में कहा, अब समय आ गया है कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम तत्काल लागू किया जाए। इस घोषणा में तेल कंपनियों को क्रेमलिन की युद्ध मशीन का दोहरा इंजन बताया गया है। उधर, ट्रंप की रूसी नेता के प्रति नाराजगी बुधवार को साफ दिखी। उन्होंने कहा, जब भी मैं व्लादिमीर से बात करता हूं, अच्छी बातचीत होती है और फिर वे आगे नहीं बढ़ते। म्मेलन को रद्द करने के फैसले के बारे में कहा, मुझे नहीं लगा कि हम उस मुकाम पर पहुंच पाएंगे जहां हमें पहुंचना था। इसलिए मैंने इसे रद्द कर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि रूस के खिलाफ प्रतिबंध लगाने का यह बिलकुल सही समय है। महत्वपूर्ण यह है कि ट्रंप के पूर्ववर्ती जो बाइडेन ने अमेरिकी सहयोगियों के दबाव के बावजूद रूसी तेल की कानूनी खरीद की अनुमति देने के लिए इन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने से परहेज किया। ट्रंप प्रशासन के इन कदमों से रूस के तेल राजस्व में भारी गिरावट आ सकती है। अमेरिका के इस फैसले पर अटलांटिक काउंसिल के फेलो डैनियल टैनबाम ने कहा, ये प्रतिबंध एक बड़ा कदम हैं, लेकिन उन्हें तीसरे देशों पर या तो द्वितीयक प्रतिबंधों का इस्तेमाल करना होगा, या सख्त चेतावनी देनी होगी। वह कहते हैं कि द्वितीयक प्रतिबंध उन देशों पर लागू होंगे जो रूस के साथ वित्तीय व्यापार करते हैं। उल्लेखनीय है कि पांच दिन पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ट्रंप से मिलने हाउस आए थे। परदे के पीछे यह मुलाकात कुछ खास अच्छी नहीं रही। ट्रंप ने जेलेंस्की पर रूस को जमीन देने का दबाव डाला ताकि पुतिन की शर्तों पर युद्धविराम लागू हो सके।

पाकिस्तान के बलोचिस्तान में निर्माण कंपनी के नौ अधिकारियों का अपहरण

एजेंसी

क्वेटा (बलोचिस्तान)। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलोचिस्तान में एक निर्माण कंपनी के नौ अधिकारियों का अपहरण कर लिया गया। इस घटना से इस्लामाबाद तक हड़कंप मचा हुआ है। सेना ने सारे इलाके को घेरकर अगवा किए अधिकारियों की तलाश शुरू की है। फिलहाल इन अधिकारियों का कोई पता नहीं चल पाया है। द बलोचिस्तान पोस्ट (पश्तो भाषा) की रिपोर्ट के अनुसार, यह वारदात बुधवार को मस्तुंग जिले में हुई है। हथियारबंद लोग निर्माण कंपनी के नौ अधिकारियों को जबरन अपने साथ ले गए।

इस घटना के बाद कुछ हथियारबंद लोगों ने कलात के मंगचर इलाके में क्वेटा-कराची मुख्य राजमार्ग को अवरुद्ध कर वाहनों की तलाशी ली। सूत्रों के अनुसार, नाकाबंदी एक घंटे से अधिक समय तक जारी रही। इस दौरान गोलीबारी और विस्फोट की आवाज भी सुनी गई। बताया गया

है कि अपहरण की घटना के बाद पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने इलाके को घेरकर तलाशी अभियान शुरू किया है। मस्तुंग पुलिस के अनुसार, अपहृत व्यक्ति पंजाब और सिंध प्रांत के हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह लोग एक सरकारी परियोजना स्थल पर काम कर रहे थे। वहां अचानक हथियारबंद लोग आ धमके। परियोजना स्थल को घेर लिया। इसके बाद अधिकारियों को अज्ञात स्थान पर ले गए। अधिकारियों ने अभी तक अपहरणकर्ताओं के बारे में कोई विवरण नहीं दिया है।

उत्तर कोरिया ने एपेक शिखर सम्मेलन से पहले हाइपरसोनिक प्रक्षेपास्त्र के परीक्षण का दावा किया

एजेंसी

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया ने कहा कि उसने एक दिन पहले अपने दो हाइपरसोनिक प्रक्षेपास्त्र (बैलिस्टिक मिसाइलों) का परीक्षण किया। यह प्रक्षेपण राजधानी प्योंगयांग से उत्तर-पूर्व की ओर किया गया। प्रक्षेपास्त्रों ने उत्तरी हैमग्योंग प्रांत के ओरंग में एक पर्वत श्रृंखला पर स्थित अपने लक्षित केंद्र को भेदा। प्रक्षेपास्त्रों की उड़ान दूरी लगभग 400 किलोमीटर रही। यह परीक्षण दक्षिण कोरिया में अगले सप्ताह होने वाले एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन (एपेक शिखर सम्मेलन) से ठीक पहले किया गया।

द कोरिया हेराल्ड अखबार की रिपोर्ट में उत्तर कोरिया की सरकारी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के हवाले से यह जानकारी दी गई है। केसीएनए ने साफ किया कि मिसाइल जनरल ब्यूरो ने परीक्षण की निगरानी की, लेकिन सर्वोच्च नेता किम जोंग-उन इसमें शामिल नहीं हुए। केसीएनए ने इस प्रक्षेपास्त्र को नई रक्षा प्रणाली के हिस्से के रूप में संदर्भित किया, लेकिन इसके मॉडल और विशेषता का खुलासा नहीं किया। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यह मिसाइल संभवतः 'ह्वासोंग-11मा' हो सकती

है। इसका हाइपरसोनिक मॉडल इसी साल 10 अक्टूबर को सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित सैन्य परेड में प्रदर्शित किया गया था। 'ह्वासोंग-11 श्रृंखला' रूस की इस्कंदर लघु-दूरी बैलिस्टिक मिसाइल के उत्तर कोरियाई संस्करण केएन-23 से मिलती-जुलती है। 'ह्वासोंग-11मा' को इस श्रृंखला का उन्नत संस्करण माना जाता है। सियोल स्थित उत्तर कोरियाई अध्ययन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर यांग मू-जिन ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि इस प्रक्षेपण का समय जानबूझकर चुना गया है। यह प्रक्षेपण उत्तरी ग्योंगसांग प्रांत के ग्योंगजू में 31 अक्टूबर को शुरू होने वाले एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन से ठीक पहले हुआ है। यांग ने कहा, हालांकि उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया या अमेरिका की सीधे आलोचना करने से परहेज किया, लेकिन ऐसा लगता है कि यह परीक्षण एपेक शिखर सम्मेलन से पहले ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से किया गया है।

स्वीडन और यूक्रेन के बीच बड़ा रक्षा समझौता, 150 ग्रिपेन फाइटर जेट की आपूर्ति पर हस्ताक्षर

एजेंसी

लिंकॉपिंग (स्वीडन)। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच यूक्रेन की वायुसेना को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए स्वीडन और यूक्रेन ने बुधवार को 100 से 150 तक ग्रिपेन लड़ाकू विमानों की आपूर्ति को लेकर 'लेटर ऑफ इंटेंट' (Letter of Intent) पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता स्वीडन की प्रमुख एयरोस्पेस कंपनी साब (Saab) के साथ एक संभावित दीर्घकालिक निर्यात अनुबंध का मार्ग प्रशस्त करता है। स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टरसन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ बुधवार को संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'यह फिलहाल किसी नए दान के बारे में नहीं है, बल्कि दीर्घकालिक साझेदारी की दिशा में एक ठोस कदम है। आज से हम इस दिशा में संभावनाओं की पूरी तरह पड़ताल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। क्रिस्टरसन ने कहा कि यह समझौता दोनों देशों के बीच एयर डिफेंस सहयोग को नई ऊंचाई पर ले जाएगा। उन्होंने कहा, ÷स्वीडन और यूक्रेन के बीच आज की यह बैठक और कल ब्रुसेल्स में होने वाला सम्मेलन इस बात का प्रतीक है कि हमारे सहयोग की तीव्रता कितनी बढ़ चुकी है। स्वीडन यूक्रेन और उसके लोगों के साथ पूरी तरह एकजुट खड़ा है। दूसरी ओर, राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन का लक्ष्य है कि अगले वर्ष तक ग्रिपेन जेट्स की प्राप्ति और उनका उपयोग शुरू किया जा सके। उन्होंने कहा, हमारे लिए ग्रिपेन सर्वोच्च प्राथमिकता हैं, यह न सिर्फ युद्ध रणनीति बल्कि लागत और संचालन की दृष्टि से भी बेहद उपयुक्त हैं।

न्यूजीलैंड में बेहतर वेतन की मांग को लेकर लोग सड़कों पर उतरे

एजेंसी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड में दक्षिणपंथी सरकार के खिलाफ आक्रोश प्रकट करते हुए एक लाख से अधिक कर्मचारी सार्वजनिक क्षेत्र में अधिक वेतन और संसाधनों की मांगों के साथ नौकरी छोड़ गुरूवार को सड़कों पर उतर आए। हड़ताल में शिक्षक, नर्स, डाक्टर, अग्निशमन अधिकारी के साथ ही अन्य सरकारी कर्मचारी भी शामिल हुए। खबरों के मुताबिक, न्यूजीलैंड के विभिन्न शहरों में सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों ने तख्तियों और बैनरों के साथ मार्च निकाला और नारे लगाए। हालांकि, वेलिंगटन और क्राइस्ट चर्च में विरोध प्रदर्शन को बेहद खराब मौसम के कारण रद्द करना पड़ा। इस बीच यूनियनों ने एक संयुक्त बयान में इस हड़ताल को दशकों की सबसे बड़ी हड़ताल बताते हुए कहा कि इसमें एक लाख से अधिक सार्वजनिक कर्मचारी भाग ले रहे हैं। मिडलमोर अस्पताल के आपातकालीन डॉक्टर और

एसोसिएशन ऑफ सैलरीड मेडिकल स्पेशलिस्ट्स (एएसएमएस) के उपाध्यक्ष सिल्विया बॉयज ने ऑकलैंड के एओटिया स्क्वायर में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार को जीवनयापन की लागत कम करने और फ्रंटलाइन सेवाओं को बनाए रखने के वादों पर चुना गया था लेकिन इन मुद्दों पर वह विफल है। एएसएमएस यूनियन ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक पर प्रकाशित अपने संदेश में कहा कि महंगाई बढ़ गई है। स्वास्थ्य और शिक्षा में कटौती हो रही है। हम पहले से कहीं अधिक प्रतिभाओं को खो रहे हैं। इस बीच सरकार ने विरोध प्रदर्शनों को यूनियनों का एक राजनीतिक स्टंट करार दिया है। सार्वजनिक सेवा मंत्री जुडिथ कोलिंस ने बुधवार को एक बयान में कहा कि प्रस्तावित हड़ताल अनुचित, अनुत्पादक और अनावश्यक है। उन्होंने कहा कि यह सरकार को निशाना बनाने वाला स्टंट है लेकिन इसकी कीमत चुकाने वाले लोग वे हजारों मरीज हैं जिनकी नियुक्तियां और सर्जरी रद्द हो गई हैं। हालांकि उन्होंने साफ किया कि सरकार बातचीत के लिए तैयार है। हाल के सर्वेक्षणों से पता चलता है कि सत्तारूढ़ गठबंधन का समर्थन गिरा है, हालांकि विपक्ष को अभी स्पष्ट बढ़त नहीं मिली है। 2023 में सत्ता में आने के बाद, रूढ़िवादी सरकार ने सरकारी खर्च में कटौती की है ताकि बजट में संतुलन लाया जा सके।

नॉर्वे का यूक्रेन को बड़ा तोहफा, ऊर्जा सहायता के रूप में 150 मिलियन डॉलर देगी सरकार

एजेंसी

ओस्लो। स्वीडन यात्रा पर रवाना होने से पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने मंगलवार को नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में संक्षिप्त रूप से रुककर वहां की सरकार से मुलाकात की थी। इस मुकालाक के बाद दौरान नॉर्वे ने यूक्रेन को 1.5 अरब नॉर्वेजियन क्रोनर (लगभग 149.4 मिलियन अमेरिकी डॉलर) की अतिरिक्त मदद देने की घोषणा की, जिससे यूक्रेन सर्दियों में प्राकृतिक गैस की खरीद कर अपनी बिजली और हीटिंग जरूरतों को पूरा कर सकेगा।

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, आज हमें नॉर्वे से ऊर्जा सहायता का एक नया पैकेज मिला है। यह इस साल का तीसरा पैकेज है, जिसकी कुल राशि लगभग 150 मिलियन डॉलर है। सर्दियों में गैस की खरीद के लिए यह मदद अत्यंत महत्वपूर्ण है। मैंने प्रधानमंत्री जोन्स गाहर स्टोरे को व्यक्तिगत रूप से इस सहायता के लिए धन्यवाद दिया। जेलेंस्की ने बताया कि उन्होंने बैठक में नॉर्वे के प्रधानमंत्री को आज हुए रूसी हमले के परिणामों के बारे में अवगत कराया और नॉर्वे की एकजुटता और संवेदना के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, हमने यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणालियों और उनके लिए आवश्यक मिसाइलों की जरूरतों पर चर्चा की। साथ ही यह भी बात हुई कि आने वाले सर्द मौसम में यूक्रेन की सुरक्षा को कैसे और मजबूत बनाया जा सकता है। इसके अलावा दोनों नेताओं ने रक्षा सहयोग पर भी विस्तृत चर्चा की। इसमें ड्रोन और मिसाइल उत्पादन तथा PURL पहल (Partnership for Ukraine Resilience and Longevity) के विस्तार को लेकर सहमति बनी। जेलेंस्की ने कहा, हमने यूरोप में इस सप्ताह होने वाली आगामी बैठकों के लिए अपने रुख का समन्वय किया है। हम नॉर्वे की जनता के अत्यंत आभारी हैं, विशेष रूप से उनकी दी गई एयर डिफेंस प्रणालियां और मिसाइलें, जिन्होंने अनगिनत यूक्रेनी नागरिकों की जानें बचाई हैं। नॉर्वे की यह नई ऊर्जा सहायता यूक्रेन के लिए ऐसे समय में आई है जब रूस लगातार ऊर्जा अवसंरचना को निशाना बना रहा है, जिससे देश के बिजली तंत्र पर भारी दबाव बना हुआ है।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख की अपील- 'सभी देश जलवायु आपदा से बचाव के लिए चेतावनी प्रणाली लागू करें'

एजेंसी

जेनेवा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेस ने बुधवार को देशों से आग्रह किया कि वे चरम मौसम और जलवायु आपदाओं से लोगों की सुरक्षा के लिए प्रभावी 'आपदा पूर्व चेतावनी प्रणाली' (Early Warning Systems) लागू करें। उन्होंने चेताया कि अब कोई भी देश वैश्विक तापन (Global Warming) के दुष्प्रभावों से सुरक्षित नहीं है। गुटेरेस ने जेनेवा में संयुक्त राष्ट्र की विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर कहा, 'पिछले 10 वर्ष इतिहास के सबसे गर्म रहे हैं। समुद्र का तापमान लगातार रिकॉर्ड तोड़ रहा है और इससे पारिस्थितिक तंत्र नष्ट हो रहे हैं। आग, बाढ़, तूफान और लू जैसी आपदाएं अब हर देश के लिए खतरा बन चुकी हैं।उन्होंने कहा कि यदि किसी आपदा की चेतावनी 24 घंटे पहले मिल जाए, तो उससे होने वाले नुकसान को लगभग 30 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है।

गुटेरेस ने बताया कि इन चेतावनी प्रणालियों से किसानों को अपनी फसलों और पशुधन की रक्षा करने, परिवारों को सुरक्षित रूप से निकालने और पूरे समुदायों को विनाश से बचाने में मदद मिलती है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 50 वर्षों में मौसम, जल और जलवायु से जुड़ी आपदाओं ने दो मिलियन (20 लाख) से अधिक लोगों की जान ली, जिनमें 90 प्रतिशत मौतें विकासशील देशों में हुई।

अमेरिका ने पूर्वी प्रशांत महासागर में तीन नार्को आतंकी मार गिराए

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका ने संदिग्ध ड्रग तस्करों के खिलाफ अपना अभियान और तेज कर दिया। पूर्वी प्रशांत महासागर में लगातार दूसरे दिन बुधवार को एक जहाज पर घातक हमला कर उस पर मौजूद तीन नार्को आतंकियों को मार गिराया। ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि इस अभियान में कोई ढील नहीं दी जाएगी। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने बुधवार देरशाम एक्स पोस्ट पर यह जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा, अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में किए गए इस हमले के दौरान जहाज पर तीन पुरुष नार्को आतंकवादी सवार थे।

उन्होंने कहा कि अमेरिका में ड्रग पहुंचाने वालों को खोज-खोजकर मारा जाएगा। हेगसेथ ने रात कहा कि दो दिन में दूसरी बार ट्रंप प्रशासन ने पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में ड्रग्स की तस्करी करने वाले संदिग्ध जहाज पर घातक हमले किए। अब अभियान कैरेबियन सागर से आगे बढ़ गया है। सितंबर में शुरू किए इस अभियान के दौरान

अमेरिकी विशेष अभियान बलों ने नौ घटनाओं में 37 ड्रग तस्करों को मार गिराया। एक अमेरिकी अधिकारी के अनुसार, पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में पहला हमला कोलंबिया के तट के पास हुआ था।

हेगसेथ की एक्स पोस्ट के अनुसार, मंगलवार देररात हुए हमले में नाव पर सवार दो लोग मारे गए। दूसरे हमले में तीन लोग मारे गए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को व्हाइट हाउस में इस अभियान पर पत्रकारों से बात की। उन्होंने संकेत दिया कि भविष्य में हमले समुद्र में लक्ष्यों से आगे भी जा सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा यह लोग हिंसक हैं। उनके पास ऐसी नावें हैं जो पानी में 45 से 50 मील प्रति घंटे की गति से चलती हैं। ट्रंप ने संकेत दिया कि वह जल्द ही जमीनी ठिकानों पर हमले का आदेश देंगे। यह अभियान दो सितंबर को राष्ट्रपति ट्रंप के आदेश पर सेना ने शुरू किया था। वेनेजुएला से शुरू यह अभियान कोलंबिया तक पहुंच गया है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर 2020 में संयुक्त राज्य अमेरिका में मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप लग चुके हैं। ट्रंप की टीम उन्हें कार्टेल नेता कहती है।

कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने कहा है कि अमेरिकी हमलों में कई कोलंबियाई मारे गए हैं। उल्लेखनीय है कि दुनिया में कोकीन की अधिकांश आपूर्ति दक्षिण अमेरिका के तीन देशों से की जाती है। इनमें कोलंबिया प्रमुख है। इसकी कैरेबियन सागर और प्रशांत महासागर दोनों पर तटरेखा हैं।

स्वास्थयवर्द्धक तथा विटामिन 'ए' से भरपूर - पपीता

पपीता स्वास्थ्यवर्द्धक तथा विटामिन 'ए' से भरपूर फल होता है। पपीता ट्रापिकल अमेरिका में पाया जाता है। पपीते का वानस्पतिक नाम केरिका पपाया है। पपीता कैरिकेसी परिवार का एक महत्त्वपूर्ण सदस्य है। पपीता एक बहुलिडीस पौधा है तथा मुरकरटय से तीन प्रकार के लिंग 'नर, मादा तथा नर व मादा दोनों लिंग एक पेड़ पर' होते हैं। पपीता के पके व कच्चे फल दोनो उपयोगी होते हैं। कच्चे फल से पपेन बनाया जाता है। जिसका सौन्दर्य जगत में तथा उद्योग जगत में व्यापक प्रयोग किया जाता है। पपीता एक सदाबहार मधुर फल है, जो स्वादिष्ट और रुचिकर होता है। यह हमारे देश में सभी जगह उत्पन्न होता है। यह बारहों महीने होता है, लेकिन यह फ़रवरी-मार्च और मई से अक्टूबर के मध्य विशेष रूप से पैदा होता है। इसका कच्चा फल हरा और पकने पर पीले रंग का हो जाता है। पका पपीता मधुर, भारी, गर्म, स्निग्ध और सारक होता है। पपीता पित्त का शमन तथा भोजन के प्रति रुचि उत्पन्न करता है।

पपीता बहुत ही जल्दी बढ़ने वाला पेड़ है। साधारण ज़मीन, थोड़ी गरमी और अच्छी धूप मिले तो यह पेड़ अच्छा पनपता है, पर इसे अधिक पानी या ज़मीन में क्षार की ज़्यादा मात्रा रास नहीं आती। इसकी पूरी ऊँचाई क़रीब 10-12 फुट तक होती है। जैसे-जैसे पेड़ बढ़ता है, नीचे से एक एक पत्ता गिरता रहता है और अपना निशान तने पर छोड़ जाता है। तना एकदम सीधा हरे या भूरे रंग का और अन्दर से खोखला होता है। पत्ते पेड़ के सबसे ऊपरी हिस्से में ही होते हैं। एक समय में एक पेड़ पर 80 से 100 फल तक भी लग जाते हैं।

पपीता पोषक तत्वों से भरपूर अत्यंत स्वास्थ्यवर्द्धक जल्दी तैयार होने वाला फल है। जिसे पके तथा कच्चे रूप में प्रयोग किया जाता है । आर्थिक महत्व ताजे फलों के अतिरिक्त पपेन के कारण भी है । जिसका प्रयोग बहुत से औद्योगिक कामों में होता है । अत: इसकी खेती की लोकप्रियता दिनों-दिन बढ़ती जा रही है और क्षेत्रफल की दृष्टि से यह हमारे देश का पांचवा लोकप्रिय फल है, देश की अधिकांश भागों में घर की बगिया से लेकर बागों तक इसकी बागवानी का क्षेत्र निरंतर बढ़ता जा रहा है । देश की विभिन्न राज्यों आन्ध्रप्रदेश, तमिलनाडु, बिहार, असम,

महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू एवं कश्मीर, उत्तरांचल और मिजोरम में इसकी खेती की जा रही है।अत: इसके सफल उत्पादन के लिए वैज्ञानिक पद्धति और तकनीकों का उपयोग करके कृषक स्वयं और राष्ट्र को आर्थिक दृष्टि से लाभान्वित कर सकते हैं। इसके लिए तकनीकी बातों का ध्यान रखना चाहिए ।

पपीता में नियंत्रित परगन के अभाव और बीज प्रवर्धन के कारण क़िस्में अस्थाई हैं और एक ही क़िस्म में विभिन्नता पाई जाती है। अत: फूल आने से पहले नर और मादा पौधों का अनुमान लगाना कठिन है। इनमें कुछ प्रचलित क़िस्में जो देश के विभिन्न भागों में उगाई जाती हैं और अधिक संख्या में मादा फूलों के पौधे मिलते हैं मुख्य हैं। हनीडियू या मधु बिंदु, कुर्ग हनीडियू, वाशिंगटन, कोय -1, कोय- 2, कोय- 3, फल उत्पादन और पपेय उत्पादन के लिए कोय-5, कोय-6, एम. फ़.-1 और पूसा मेजस्टी मुख्या हैं। उत्तरी भारत में तापक्रम का उतर चढ़ाव अधिक होता है। अत: उभयलिंगी फूल वाली क़िस्में ठीक उत्पादन नहीं दे पाती हैं। कोय-1, पंजाब स्वीट, पूसा देलिसियास, पूसा मेजस्टी, पूसा जाइंट, पूसा ड्वार्फ, पूसा नन्हा (म्यूटेंट) आदि क़िस्में जिनमे मादा फूलों की संख्या अधिक होती है और उभयलिंगी हैं, उत्तरी भारत में काफी सफल हैं। हवाई की सोलो क़िस्म जो उभयलिंगी और मादा पौधे होते है, उत्तरी भारत में इसके फल छोटे और निम्न कोटि के होते हैं।

ऊपर के हिस्से में पत्तों के घेरे के नीचे पपीते के फल आते हैं ताकि यह पत्तों का घेरा कोमल फल की सुरक्षा कर सके। कच्चा पपीता हरे रंग का और पकने के बाद हरे पीले रंग का होता है। आजकल नयी जातियों में बिना बीज के पपीते की किस्में ईजाद की गई हैं। एक पपीते का वजन 300, 400 ग्राम से लेकर 1 किलो ग्राम तक हो सकता है।

पपीते के पेड़ नर और मादा के रुप में अलग-अलग होते हैं लेकिन कभी-कभी एक ही पेड़ में दोनों तरह के फूल खिलते हैं। हवाईयन और मेक्सिकन पपीते बहुत प्रसिद्ध हैं। भारतीय पपीते भी अत्यन्त स्वादिष्ट होते हैं। अलग-अलग किस्मों के अनुसार इनके स्वाद में थोड़ी बहुत भिन्नता हो सकती है।

पपीता एक उष्ण कटिबंधीय फल है,परंतु इसकी खेती समशीतोष्ण आबोहवा में भी की जा सकती है।

ज्यादा ठंड से पौधे के विकास पर खराब असर पड़ता है। इसके फलों की बढ़वार रूक जाती है। फलों के पकने व मिठास बढ़ने के लिए गरम मौसम बेहतर है।

इस पपीते के सफल उत्पादन के लिए दोमट मिट्टी अच्छी होती है। खेत में पानी निकलने का सही इंतजाम होना जरूरी है, क्योंकि पपीते के पौधे की जड़ों व तने के पास पानी भरा रहने से पौधे का तना सड़ने लगता है। इस पपीते के लिहाज से मिट्टी का पीएच मान 6.5 से 7.5 तक होना चाहिए।

पपीता के लिए हलकी दोमट या दोमट मृदा जिसमें जलनिकास अच्छा हो सर्वश्रेष्ठ है। इसलिए इसके लिए दोमट, हवादार, काली उपजाऊ भूमि का चयन करना चाहिए और इसका अम्लतांक 6.5-7.5 के बीच होना चाहिए तथा पानी बिलकुल नहीं रुकना चाहिए। मध्य काली और जलोढ़ भूमि इसके लिए भी अच्छी होती है ।

यह मुख्य रूप से उष्ण प्रदेशीय फल है इसके उत्पादन के लिए तापक्रम 22-26 डिग्री से0ग्रे0 के बीच और 10 डिग्री से0ग्रे0 से कम नहीं होना चाहिए क्योंकि अधिक ठंड तथा पाला इसके शत्रु हैं, जिससे पौधे और फल दोनों ही प्रभावित होते हैं। इसके सकल उत्पादन के लिए तुलनात्मक उच्च तापक्रम, कम आर्द्रता और पर्याप्त नमी की जरुरत है।

पपीते की बोआई

पपीते का व्यवसाय उत्पादन बीजों द्वारा किया जाता है। इसके सफल उत्पादन के लिए यह जरूरी है कि बीज अच्छी क्वालिटी का हो। बीज के मामले में निम्न बातों पर ध्यान देना चाहिए-

1. बीज बोने का समय जुलाई से सितम्बर और फरवरी-मार्च होता है।
2. बीज अच्छी किस्म के अच्छे व स्वस्थ फलों से लेने चाहिए। चूंकि यह नई किस्म संकर प्रजाति की है, लिहाजा हर बार इसका नया बीज ही बोना चाहिए।
3. बीजों को क्यारियों, लकड़ी के बक्सों, मिट्टी के गमलों व पोलीथीन की थैलियों में बोया जा सकता है।
4. क्यारियाँ जमीन की सतह से 15 सेंटीमीटर ऊंची व 1 मीटर चौड़ी होनी चाहिए।
5. क्यारियों में गोबर की खाद, कंपोस्ट या वर्मी कंपोस्ट काफी मात्रा में मिलाना चाहिए। पौधे को पद विगलन रोग से बचाने के लिए क्यारियों को फार्मलीन के 1:40 के घोल से उपचारित कर लेना चाहिए और बीजों को 0.1 फीसदी कॉपर आक्सीक्लोराइड के घोल से उपचारित करके बोना चाहिए।
6. जब पौधे 8-10 सेंटीमीटर लंबे हो जाएँ, तो उन्हें क्यारी से पौलीथीन में स्थानांतरित कर देते हैं।
7. जब पौधे 15 सेंटीमीटर ऊँचे हो जाएँ, तब 0.3 फीसदी फफूंदीनाशक घोल का छिड़काव कर देना चाहिए।

पपीते के उत्पादन के लिए नर्सरी में पौधों का उगाना बहुत महत्व रखता है। इसके लिए बीज की मात्रा एक हेक्टेयर के लिए 500 ग्राम पर्याप्त होती है। बीज पूर्ण पका हुआ, अच्छी तरह सूखा हुआ और शीशे की जार या बोतल में रखा हो जिसका मुँह ढका हो और 6 महीने से पुराना न हो, उपयुक्त है। बोने से पहले बीज को 3 ग्राम केप्टान से एक किलो बीज को उपचारित करना चाहिए।

बीज बोने के लिए क्यारी जो जमीन से ऊँची उठी हुई संकरी होनी चाहिए इसके अलावा बड़े गमले या लकड़ी के बक्सों का भी प्रयोग कर सकते हैं। इन्हें तैयार करने के लिए पत्ती की खाद, बालू, तथा सदी हुई गोबर की खाद को बराबर मात्र में मिलाकर मिश्रण तैयार कर लेते हैं। जिस स्थान पर नर्सरी हो उस स्थान की अच्छी जुताई, गुड़ाई करके समस्त कंकड़-पत्थर और खरपतवार निकाल कर साफ़ कर देना चाहिए तथा ज़मीन को 2 प्रतिशत फोरमिलिन से उपचारित कर लेना चाहिए। वह स्थान जहाँ तेज़ धूप तथा अधिक छाया न आये चुनना चाहिए।

एक एकड़ के लिए 4059 मीटर ज़मीन में उगाये गए पौधे काफी होते हैं। इसमें 2.5 × 10 × 0.5 आकर की क्यारी बनाकर उपरोक्त मिश्रण अच्छी तरह मिला दें, और क्यारी को ऊपर से समतल कर दें। इसके बाद मिश्रण की तह लगाकर 1/2% गहराई पर 3% × 6% के फासले पर पंक्ति बनाकर उपचारित बीज बो दे और फिर 1/2% गोबर की खाद के मिश्रण से ढ़क कर लकड़ी से दबा दें ताकि बीज ऊपर न रह जाये। यदि गमलों या बक्सों का उगाने के लिए प्रयोग करें तो इनमे भी इसी मिश्रण का प्रयोग करें। बोई गयी क्यारियों को सूखी घास या पुआल से ढक दें और सुबह शाम होज द्वारा पानी दें। बोने के लगभग 15-20 दिन भीतर बीज जम जाते हैं। जब इन पौधों में 4-5 पत्तियाँ और ऊँचाई 25 से.मी. हो जाये तो दो महीने बाद खेत में प्रतिरोपण करना चाहिए, प्रतिरोपण से पहले गमलों को धूप में रखना चाहिए, ज्यादा सिंचाई करने से सड़न और उकठा रोग लग जाता है। उत्तरी भारत में नर्सरी में बीज मार्च-अप्रैल,जून-अगस्त में उगाने चाहिए।

अच्छी तरह से तैयार खेत में 2 ×2 मीटर की दूरी पर 50×50×50 सेंटीमीटर आकार के गड्ढे मई के महीने में खोद कर 15 दिनों के लिए खुले छोड़ देने चाहिएं, ताकि गड्ढों को अच्छी तरह धूप लग जाए और हानिकारक कीड़े-मकोड़े, रोगाणु वगैरह नष्ट हो जाएँ।

पौधे लगाने के बाद गड्ढे को मिट्टी और गोबर की खाद 50 ग्राम एल्ड्रिन मिलाकर इस प्रकार भरना चाहिए कि वह जमीन से 10-15 सेंटीमीटर ऊँचा रहे। गड्ढे की भराई के बाद सिंचाई कर देनी चाहिए, जिससे मिट्टी अच्छी तरह बैठ

जाए।

वैसे पपीते के पौधे जून-जुलाई या फरवरी -मार्च में लगाए जाते हैं, पर ज्यादा बारिश व सर्दी वाले इलाकों में सितंबर या फरवरी -मार्च में लगाने चाहिए। जब तक पौधे अच्छी तरह पनप न जाएँ, तब तक रोजाना दोपहर बाद हल्की सिंचाई करनी चाहिए।

इसके लिए 200 गेज और 20 × 15 सेमी आकर की थैलियों की जरुरत होती है । जिनको किसी कील से नीचे और साइड में छेड़ कर देते हैं तथा 1:1:1:1 पत्ती की खाद, रेट, गोबर और मिट्टी का मिश्रण बनाकर थैलियों में भर देते हैं । प्रत्येक थैली में दो या तीन बीज बो देते हैं। उचित ऊँचाई होने पर पौधों को खेत में प्रतिरोपण कर देते हैं । प्रतिरोपण करते समय थाली के नीचे का भाग फाड़ देना चाहिए।

पौध लगाने से पहले खेत की अच्छी तरह तैयारी करके खेत को समतल कर लेना चाहिए ताकि पानी न भर सकें। फिर पपीता के लिए 50×50×50 से0मी0 आकार के गड्ढे 1.5×1.5 मीटर के फासले पर खोद लेने चाहिए और प्रत्येक गड्ढे में 30 ग्राम बी.एच.सी. 10 प्रतिशत डस्ट मिलकर उपचारित कर लेना चाहिए। ऊँची बढ़ने वाली क़िस्मों के लिए1.8×1.8 मीटर फासला रखते हैं। पौधे 20-25 से0मी0 के फासले पर लगा देते हैं। पौधे लगते समय इस बात का ध्यान रखते हैं कि गड्ढे को ढक देना चाहिए जिससे पानी तने से न लगे।

पपीता जल्दी फल देना शुरू कर देता है। इसलिए इसे अधिक उपजाऊ भूमि की जरुरत है। अत: अच्छी फ़सल लेने के लिए 200 ग्राम नाइट्रोजन, 250 ग्राम फ़ॉस्फ़रस एवं 500 ग्राम पोटाश प्रति पौधे की आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त प्रति वर्ष प्रति पौधे 20-25 कि0ग्रा0 गोबर की सड़ी खाद, एक कि0ग्रा0 बोनमील और एक कि0ग्रा0 नीम की खली की जरुरत पड़ती है।